Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 76
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
मंगलवार, 24 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 महाराष्ट्र लोक भवन में बिहार राज्य स्थापना... 4 चीन के मुकाबले भारत की रक्षा तैयारी ... 7 पीएसएल की बढ़ी मुश्किलें, अनुबंधों के...

संक्षिप्त न्यूज

रामगोपाल यादव की प्रधानमंत्री मोदी को सलाह, पश्चिम एशिया युद्ध रोकने की अपील

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद रामगोपाल यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को रोकने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग करने की अपील की है।

लोकसभा में प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए यादव ने कहा कि भारत सहित कई देशों की अर्थव्यवस्था इस युद्ध से प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे इजरायल, अमेरिका और ईरान के साथ भारत के संबंधों का लाभ उठाकर इस संघर्ष को समाप्त कराने की दिशा में प्रयास करें।

रामगोपाल यादव ने कहा कि यह युद्ध विश्व को विनाश के कगार पर ले जा रहा है, इसलिए भारत को शांति स्थापना में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उनके अनुसार, भारत के पास विभिन्न देशों के साथ संतुलित संबंध हैं, जिनका उपयोग कूटनीतिक समाधान के लिए किया जा सकता है।

इस मुद्दे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री के लोकसभा भाषण की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अमेरिका का उल्लेख नहीं किया, जो इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पक्ष है।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी सरकार की तैयारी और प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर सरकार के रुख को लेकर चिंता जताई।

कुल मिलाकर, विपक्षी नेताओं ने सरकार से अपेक्षा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय पहल करते हुए देश के हितों की रक्षा और वैश्विक शांति के लिए ठोस कदम उठाए।

लोकसभा में पीएम मोदी का बड़ा बयान

पश्चिम एशिया संकट पर बोले- पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं होगी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण तर रहा है। आज लोकसभा में नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर अपनी बात रखी। वहीं, दोनों सदनों में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकसभा की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत का उल्लेख करते हुए कहा कि इन शहीदों की वीरता, शौर्य और देशभक्ति ने स्वाधीन और सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। राज्यसभा में सभापति सी पी राधाकृष्णन ने स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का जिक्र करते हुए कहा कि अगर आज देशवासी खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो उसका एक बड़ा कारण स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान है। निजी स्कूलों में हर साल शुल्क वृद्धि पर रोक के लिए पारदर्शी नियामक बनाने की मांग राज्यसभा में उठी।

लोकसभा की कार्यवाही

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने भारत के समक्ष कई अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, लेकिन सरकार स्थिति से निपटने के लिए सजग और तत्पर है। उन्होंने सदन में दिए एक वक्तव्य में यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की

कमी नहीं हो तथा देश के नागरिकों को परेशानी नहीं हो। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन को बताया कि देश के पास 53 लाख मीट्रिक टन का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे संकटों से देश के किसानों को बचाने के लिए सरकार ने पिछले एक दशक में कई कदम उठाए हैं जिनमें खाद की पर्याप्त उपलब्धता, यूरिया संयंत्र स्थापित किया जाना, डीएपी तथा एनपीके जैसी खादों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना आदि शामिल हैं।

कांग्रेस के अमर सिंह ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर कॉरपोरेट कर में छूट देने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में निजी कंपनियां आम लोगों से कम कर दे रही हैं। कांग्रेस सांसद ने लोकसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए दावा किया कि इसमें कई सारी रियायतें दी गई हैं, लेकिन वे केवल बड़े लोगों को दी गई हैं। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी को रियायत दी गई है। इसके दायरे में बड़ी वित्तीय कंपनियां और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां आती हैं लेकिन उन पर कोई शर्त नहीं लगाई गई है।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि यदि पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के एक अधिकारी की आत्महत्या के मामले में प्रदेश के सांसद पत्र लिखकर दें तो वह इस मामले की सीबीआई जांच कराने का आदेश दे देंगे। सदन में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने यह विषय उठाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कॉर्पोरेट विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया, जिसका मकसद सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है। यह विधेयक पेश किए जाने के बाद सदन ने वित्त मंत्री की अनुशंसा पर इसे संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का फैसला किया।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किसी राज्य पर हिंदी समेत कोई भी नहीं थोप रही। चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद कलानिधि वीरास्वामी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

नवरात्रि का छठा दिन

मां कात्यायिनी

मां का स्वरूप

मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं,इनका स्वरूप अत्यंत ही भव्य और दिव्य है। इनका वर्ण स्वर्ण के समान चमकीला और भास्वर है। शेर पर सवार मां की चार भुजाएं हैं, इनके बायें हाथ में कमल और तलवार व दाहिनें हाथों में स्वास्तिक व आशीर्वाद की मुद्रा अंकित है। भगवान कृष्ण को पाने के लिए व्रज की गोपियों ने इन्ही की पूजा कालिंदी नदी के तट पर की थी।ये ब्रज मंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

कौन हैं मां कात्यायनी

कत नामक एक प्रसिद्ध महर्षि थे,उनके पुत्र ऋषि कात्य हुए। इन्हीं कात्य के गोत्र में विश्व प्रसिद्ध महर्षि कात्यायन उत्पन्न हुए थे। इन्होने भगवती परාम्बा की उपासना करते हुए बहुत वर्षों तक बड़ी कठिन तपस्या की थी। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लें। मां भगवती ने उनकी यह प्रार्थना स्वीकार कर ली। कुछ काल पश्चात जब दानव महिषासुर का अत्याचार पृथ्वी पर बहुत अधिक बढ़ गया था तब भगवान ब्रह्मा,विष्णु, महेश तीनों ने अपने-अपने तेज़ का अंश देकर महिषासुर के विनाश के

लिए एक देवी को प्रकट किया। महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की और देवी इनकी पुत्री कात्यायनी कहलाईं।

पूजाविधि

दुर्गा पूजा के छठे दिन भी सर्वप्रथम कलश व देवी के स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा कि जाती है। पूजा की विधि शुरू करने पर हाथों में सुगन्धित पुष्प लेकर देवी को प्रणाम कर देवी के मंत्र का ध्यान करना चाहिए। मां को श्रृंगार की सभी वस्तुएं अर्पित करें। मां कात्यायनी को शहद बहुत प्रिय है इसलिए इस दिन मां को भोग में शहद अर्पित करें। देवी की पूजा के साथ भगवान शिव की भी पूजा करनी चाहिए।

पूजा फल

देवी भागवत पुराण के अनुसार देवी के इस स्वरूप की पूजा करने से शरीर कांतिमान हो जाता है। इनकी आराधना से गृहस्थ जीवन सुखमय रहता है। मां कात्यायिनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम,मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है। उसके रोग,शोक, संताप और भय आदि सर्वथा नष्ट हो जाते हैं।

किनको होगा लाभ

जिनके विवाह में विलम्ब हो रहा हो या जिनका वैवाहिक जीवन सुखी नहीं है वे जातक विशेष रूप से मां कात्यायिनी की उपासना करें,लाभ होगा।

स्तुति मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
चंद्र हासोज्जवलकरा शार्दूलवर वाहना।
कात्यायनी शुभंदद्या देवी दानवघातिनि।।

टीएमसी का ओवैसी पर बड़ा हमला, 'कलेक्शन मास्टर' बताकर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता जय प्रकाश मजूमदार ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि ओवैसी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से धन मिलता है और उन्हें 'कलेक्शन मास्टर' करार दिया।

पत्रकारों से बातचीत में मजूमदार ने कहा कि ओवैसी का प्रभाव हैदराबाद के बाहर सीमित है, लेकिन वे विभिन्न राज्यों में अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने आरोप

लगाया कि पिछले विधानसभा चुनावों में भी ओवैसी को भाजपा से धन मिला था और इस बार भी ऐसा ही होने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कितनी राशि ली गई, लेकिन दावा किया कि उन्हें इस बारे में जानकारी है।

यह बयान उस समय आया है जब एआईएमआईएम ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

ओवैसी ने बताया कि वे 25 मार्च को कोलकाता में हुमायूं कबीर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे, जिसमें चुनावी रणनीति की जानकारी दी जाएगी। वहीं, आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने कहा कि उनका गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगा, जिसमें एआईएमआईएम लगभग 8 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर बड़ा हमला, संसद में बहस से बचने का आरोप

नई दिल्ली।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संसद में खुलकर बहस नहीं कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर स्पष्ट रुख नहीं ले रहे हैं।

लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर प्रधानमंत्री के भाषण के बाद प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अमेरिका का नाम तक नहीं लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय दबाव में हैं और इस कारण संसद में बहस से बच रहे हैं।

वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लगभग 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन वे संसद में खुली बहस करने से बचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को पारदर्शिता दिखानी चाहिए। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण देश के कृषि क्षेत्र पर प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना था कि यदि विदेशी उत्पादों को बड़े स्तर पर प्रवेश दिया गया तो छोटे किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

उन्होंने संविधान की रक्षा पर जोर देते हुए कहा कि देश के आदिवासी, गरीब और मजदूर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए संविधान को मजबूत बनाए रखना जरूरी है।

इसके अलावा राहुल गांधी ने यह भी कहा कि देश के बुनियादी ढांचे और बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठ रहे हैं, जिन पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आदिवासी समुदाय के अधिकारों, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि सभी को समान अवसर मिलना चाहिए।

हवाई किराए से कैप हटाने पर भड़के अरविंद केजरीवाल बोले- मोदी सरकार में महंगा होगा हवाई सफर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को घरेलू हवाई किराए पर लगी सीमा को हटाने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि इससे टिकटों की कीमतें मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर हो सकती हैं। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि हवाई किराया मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर होता जा रहा है।

मोदी सरकार हवाई किराए पर लगी सीमा को हटा रही है, जिससे टिकटों की कीमतों में भारी मुद्रास्फीति हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इसके बजाय किराए को अधिक प्रभावी ढंग से विनियमित करने पर ध्यान देना चाहिए और जोर देकर कहा कि हवाई यात्रा अब विलासिता नहीं, बल्कि मध्यम वर्ग के लिए एक आवश्यकता है।

यह टिप्पणी नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा शनिवार को घरेलू हवाई यात्रा पर लगाए गए अस्थायी किराया प्रतिबंधों को वापस लेने के बाद आई है, जिसमें मंत्रालय ने पूरे क्षेत्र में उड़ान संचालन में स्थिरता का हवाला दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पिछले साल देश में हाल के वर्षों में विमानन क्षेत्र में आई सबसे भीषण बाधाओं में से एक के बाद घरेलू हवाई किरायों पर आपातकालीन सीमा लगा दी थी। यह कदम इंडिगो द्वारा पायलटों की उपलब्धता के संकट के कारण हजारों उड़ानें रद्द करने के बाद उठाया गया था, जिससे व्यस्त मार्गों पर टिकटों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई और सरकार को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पहले से लागू किराया सीमा के तहत, 500 किमी तक की उड़ानों के लिए एक तरफा इकोनॉमी क्लास का किराया 7, 500 रुपये से अधिक नहीं हो सकता था। दिल्ली-मुंबई जैसे 1, 000 से 1, 500 किमी के मार्गों के लिए किराया 15, 000 रुपये तक सीमित था, जबकि 1, 500 किमी से अधिक की दूरी के लिए किराया 18, 000 रुपये निर्धारित किया गया था।

राघव ने उठाया मोबाइल डेटा का मुद्दा, बोले- बचा हुआ डेटा खत्म करना कंज्यूमर राइट्स का हनन है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मोबाइल फोन के प्लान के अनुसार रोजाना मिलने वाले डेटा का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाने की स्थिति में उसका बाद में उपयोग करने की व्यवस्था होने की मांग करते हुए सोमवार को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने कहा कि यह केवल डेटा की ही नहीं बल्कि उपभोक्ता के अधिकार की भी बात है। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए चड्ढा ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति मोबाइल फोन रीचार्ज कराता है तो उसे उसके प्लान के अनुसार डेटा मिलता है। ''यह डेटा रात बारह बजे समाप्त हो जाता है।''

उन्होंने कहा ''उपभोक्ता से पैसा पूरा लिया जाता है लेकिन रात बारह बजे तक अनुपयुक्त डेटा दिन समाप्त होने के साथ ही समाप्त हो जाता है। यह अनुपयुक्त डेटा हमें अगले दिन नहीं मिलता

जबकि यह हमारी मेहनत के पैसों से खरीदा जाता है।'' उन्होंने कहा ''विडंबना यह है कि रोज के डेटा की सीमा तय होती है, लेकिन मासिक डेटा सीमा नहीं होती। मासिक डेटा सीमा होने पर पूरा डेटा इस्तेमाल होने की संभावना अधिक होती है क्योंकि लोग छुट्टी के दिन डेटा का अधिक उपयोग करते हैं।

लेकिन ऐसा नहीं होता और बचा हुआ डेटा वैलिडिटी समाप्त होने पर एक्सपायर हो जाता है।'' चड्ढा ने कहा कि आज इंटरनेट हर चीज के लिए जरूरी हो गया है और यह हमारे जीवन का हिस्सा बन गया है। आप सांसद ने मांग की कि अनुपयुक्त डेटा का बाद में इस्तेमाल करने की सुविधा दी जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डेटा वैलिडिटी समाप्त होने के साथ समाप्त न हो। ''यह डेटा की ही बात नहीं है बल्कि उपभोक्ता के अधिकार की भी बात है।''

उन्होंने कहा कि माह के अंत में अगर अधिक डेटा बचा हो तो उपयोगकर्ता को इस डेटा का समायोजन अपने रीचार्ज प्लान में करने की छूट मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुपयुक्त डेटा को 'डिजिटल संपत्ति' माना जाए और उसे स्थानांतरित करने की सुविधा उपयोगकर्ता को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जितनी बिजली की खपत की जाती है उतना ही पैसा हम देते हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह जितना डेटा इस्तेमाल हो, उपयोगकर्ता से उतने का ही पैसा लिया जाना चाहिए।

गौरव गोगोई ने भरा पर्चा, कहा- बीजेपी के खिलाफ सभी विपक्षी दल एकजुट होकर लड़ेंगे

गुवाहटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया, जो राज्य स्तरीय चुनावी राजनीति में उनका पहला कदम है। इसके बाद गौरव गोगोई ने कहा कि आज असम में नफरत से भरी राजनीति चल रही है। असम के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसीलिए असम की सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर असम की राजनीति को साफ करना चाहती हैं। वर्तमान में लोकसभा में विपक्ष के उपनेता के रूप में कार्यरत गोगोई ने अपने दिन की शुरुआत विभिन्न समुदायों के धार्मिक स्थलों का दौरा करके की, जिसके बाद उन्होंने जोरहाट स्टेडियम से एक रोड शो शुरू किया। इस रैली में भारी भीड़ उमड़ी और

इसका समापन जिला आयुक्त कार्यालय पर हुआ, जहां उन्होंने अपना नामांकन पत्र जमा किया।

कांग्रेस छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें रायजोर दल, असम जातीयतावादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस शामिल हैं, जिनके समर्थक भी जुलूस में शामिल हुए। पत्रकारों से बात करते हुए, गोगोई ने आगामी चुनावों को राज्य के राजनीतिक वातावरण को शुद्ध करने का अवसर बताया और हाल के वर्षों में मानकों में गिरावट का आरोप लगाया। उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक जीवन की गुणवत्ता को बहाल करने में सामूहिक जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।

उन्होंने यह भी वादा किया कि यदि कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है, तो वह यह सुनिश्चित करेगी कि महिलाओं को राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेने की आवश्यकता के बिना कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। भाजपा पर सरकारी कार्यक्रमों का राजनीतिक लामबंदी के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने कहा कि ऐसी प्रथाएं गरिमा और निष्पक्षता को कमजोर करती हैं। इससे पहले दिन में, गोगोई ने गुरुद्वारा, मंदिर, नामघर, मस्जिद और चर्च सहित कई धार्मिक स्थलों पर प्रार्थना की। उन्होंने अपने पिता, असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने आवास का भी दौरा किया।

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर मनपा और रेलवे प्रशासन का संयुक्त निरीक्षण

मंत्र भारत । भाईंदर

भाईंदर : मिरा-भाईंदर महानगरपालिका ने आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कल सुबह 7 बजे महापौर डिंपल मेहता, आयुक्त राधाबिनोद अ. शर्मा (भा.प्र.से.) तथा उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण की शुरुआत भाईंदर (पश्चिम) स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान से हुई, जहां मैदान में मौजूद अव्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान सुबह व्यायाम करने वाले नागरिकों और खिलाड़ियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने गए।

इसके बाद अधिकारियों ने राधास्वामी सत्संग परिसर से मिरा रोड रेलवे स्टेशन की ओर बहने वाले जाफरी नाले का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। साथ ही, भाईंदर (पूर्व) रेलवे स्टेशन के पास केबिन रोड स्थित नाले तथा भाईंदर (पश्चिम) के अन्य नालों का भी जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में होने वाली ट्रैफिक जाम की समस्या, पार्किंग अव्यवस्था तथा फेरीवालों के अतिक्रमण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित विभागों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

रेलवे की ओर से डिविजनल रेलवे मैनेजर पंकज सिंह ने रेलवे क्षेत्र में स्थित नालों की सफाई समय पर, नियमित और प्रभावी ढंग से करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पर्याप्त संसाधन, मशीनरी, मानवबल तथा विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

मनपा और रेलवे प्रशासन ने संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि आगामी मानसून में नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दोनों विभागों ने मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस निरीक्षण दौरे में रेलवे के अधिकारी–प्रेम सागर (एजीएम, एमआरवीसी), नमित जैन (सेंट्रल डीईएन एस्टेट), अजय कुमार पुरोहित (सेंट्रल डीईएन साउथ), राजीव सक्सेना (सहायक मंडल अभियंता), नरसिंग दास (सहायक मंडल अभियंता) तथा मनपा के अधिकारी अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त डॉ. सचिन बांगर, सिटी अभियंता दीपक खांबित सहित संबंधित विभागों के कार्यकारी अभियंता और स्वच्छता निरीक्षक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री करेंगे 'राजमाता जिजाऊ' एसटी बस सेवा का उद्घाटन- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की जानकारी

एसटी बेड़े में तीन हजार अत्याधुनिक स्मार्ट बसें शामिल

दिव्यांश

राज्य के सार्वजनिक परिवहन तंत्र में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है, जिसमें आधुनिक तकनीक के साथ महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास का संगम देखने को मिलेगा। 'राजमाता जिजाऊ' नामक अत्याधुनिक एसटी बस सेवा का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा 24 मार्च 2026 को विधान भवन परिसर में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा सुनेत्रा अजित पवार की उपस्थिति में किया जाएगा।

परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने जानकारी दी कि इस समारोह में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे और विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मंत्री सरनाईक ने बताया कि 'राजमाता जिजाऊ' बस सेवा के समावेश से एसटी बेड़े में परंपरा और प्रगति का सुंदर संगम हुआ है। शीघ्र ही 'राजमाता जिजाऊ' नाम की लगभग तीन हजार नई स्मार्ट बसें एसटी महामंडल के बेड़े में शामिल की जाएंगी, जिससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बड़ा बल मिलेगा।

इन बसों को 'राजमाता जिजाऊ' नाम देना हिंदू स्वराज्य की प्रेरणास्रोत जिजाऊ साहेब को श्रद्धांजलि है। स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के पीछे जो मातृशक्ति थी, वही राजमाता जिजाऊ थीं। इस नाम के माध्यम से उस मातृशक्ति के गौरव को उजागर किया गया है। एसटी महामंडल

ने इससे पहले 'शिवनेरी', 'शिवशाही', 'शिवाई', 'यशवंती' और 'हिरकणी' जैसे ऐतिहासिक नामों से बस सेवाओं को अलग पहचान दी है। मंत्री सरनाईक ने बताया कि 'राजमाता जिजाऊ' नाम के समावेश से इस गौरवशाली परंपरा को और समृद्ध किया गया है।

नई बसों की प्रमुख विशेषताएंः

इन बसों में 3 × 2 बैठने की व्यवस्था होगी तथा कुल 56 सीटों की क्षमता होगी, जो वर्तमान बसों की तुलना में 16 सीट अधिक है। इससे यात्रियों को अधिक आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इन बसों में चार सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस प्रणाली, पैनिक बटन, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली तथा इलेक्ट्रॉनिक रूट बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित और स्मार्ट बनेगी।

इन बसों का संचालन मुख्य रूप से दो शहरों के बीच भीड़भाड़ वाले मार्गों पर शटल सेवा के रूप में किया जाएगा, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और यातायात जाम कम करने में मदद मिलेगी।

इस योजना के तहत पहली 50 बसें नागपुर में आएंगी, जहां से इस नई सेवा की शुरुआत की जाएगी।

'राजमाता जिजाऊ' बस सेवा केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के ऐतिहासिक गौरव और आधुनिक आत्मविश्वास का संगम है।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने आशा व्यक्त की कि यह पहल राज्य में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सक्षम, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित बनाएगी।

इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजनाः टीही-धार खंड पर कार्य में तेजी

पीथमपुर से धार के मध्य टॉवर वेगन से ट्रैक परीक्षण प्रारंभ

रतलाम। पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना अब अपने साकार रूप की ओर तेज़ी से अग्रसर है। इस परियोजना के अंतर्गत इंदौर से टीही तक का कार्य पूर्व में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है, जबकि टीही से धार के मध्य निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, परियोजना की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए टीही से धार तक के कार्य को विभिन्न खंडों में विभाजित कर योजनाबद्ध तरीके से निष्पादित किया जा रहा है। टीही-पीथमपुर खंड में टनल निर्माण कार्य शेष होने के कारण निर्माण विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था अपनाते हुए ट्रैक मशीन (टीटीएम) को सड़क मार्ग से रेलवे ट्रैक पर उतारा गया। इसके माध्यम से पीथमपुर से धार तक ट्रैक की पैकिंग एवं आवश्यक मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

इसी क्रम में, ट्रैक की गुणवत्ता एवं फिटनेस की जांच हेतु टॉवर वेगन को भी सड़क मार्ग से लाकर पीथमपुर के निकट रेलवे लाइन पर उतारा गया। निर्माण विभाग द्वारा 23 से 26 मार्च 2026 के मध्य टॉवर वेगन को निर्धारित गति सीमा तक संचालित

कर ट्रैक की स्थिरता एवं सुरक्षा का परीक्षण किया जा रहा है। इस संबंध में रेलवे द्वारा पूर्व में ही रेलवे ट्रैक के आस-पास नहीं जाने के लिए जन-सूचना जारी कर आम नागरिकों को सूचित किया गया था, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्य इंजीनियर (निर्माण), श्री धीरज कुमार, मुंबई, स्वयं इस महत्वपूर्ण निरीक्षण कार्य की निगरानी हेतु इंदौर पहुंचे हैं। दिनांक 23 मार्च 2026 को उन्होंने पीथमपुर से धार तक टॉवर वेगन के माध्यम से ट्रैक का विस्तृत निरीक्षण किया एवं ट्रैक की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया। यह पहली बार है जब इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन पर टॉवर वेगन चलाकर ट्रैक की क्षमता का परीक्षण किया गया है, जो परियोजना की प्रगति का महत्वपूर्ण संकेत है।

जब तक पीथमपुर-धार रेल खंड पूर्ण रूप से तैयार होगा, तब तक इसके समानांतर टनल निर्माण कार्य भी तीव्र गति से जारी रहेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्ण तैयारी के साथ इंदौर-दाहोद रेल लाइन को धार तक शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों को शीघ्र ही रेलवे सेवा का लाभ मिलेगा तथा इंदौर से धार के बीच आवागमन सुगम, सुरक्षित एवं समयबद्ध हो सकेगा। यह परियोजना न केवल क्षेत्रीय विकास को गति देगी, बल्कि औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

नवी मुंबई महानगरपालिका कप 40+ क्रिकेट प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण शुभारंभ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

40 वर्ष से अधिक आयु के क्रिकेट खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने तथा उनके शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा पिछले 10 वर्षों से महापौर कप अंतर्गत 40ह क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता को कम समय में घोषित किए जाने के बावजूद खिलाड़ियों की ओर से मिले जबरदस्त प्रतिसाद को उत्साहवर्धक बताते हुए मनपा की क्रीड़ा, सांस्कृतिक कार्य एवं युवा कल्याण समिति के सभापति श्री गिरिश म्हात्रे ने अपने विचार व्यक्त किए।

वे 23, 24 और 25 मार्च 2026 को मुख्यालय के समीप स्थित खेल मैदान में आयोजित नवी मुंबई महापौर कप 40+ क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक विभाग की उपआयुक्त श्रीमती अभिलाषा म्हात्रे, श्री मनोज म्हात्रे, श्री बलीराम पाटिल, श्री भालचंद्र दलवी, श्री बालकृष्ण बांद्रे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

क्रीड़ा अधिकारी श्री रेवप्पा गुरव, 40ह क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मास्टर प्रदीप पाटिल, उपाध्यक्ष श्री नरेश गौरी, सचिव श्री एल. डी. पाटिल एवं विकास मोकल, इस प्रतियोगिता में कुल 58 क्रिकेट टीमों ने भाग लिया है, जिनमें 33 ग्रामीण तथा 25 शहरी टीमों का समावेश है। उद्घाटन मैच पवनेगांव और ऐरोलीगांव टीमों के बीच खेला गया, जिसमें पवनेगांव टीम विजयी रही। ग्रामीण और शहरी टीमों के लिए अलग-अलग विजेता एवं उपविजेता ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी, साथ ही उत्कृष्ट व्यक्तिगत खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबले सेक्टर 3, सीबीडी बेलापुर स्थित राजीव गांधी क्रीड़ा संकुल में आयोजित किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि ये मुकाबले नए स्थापित उच्च क्षमता प्रकाश व्यवस्था (फ्लडलाइट) के अंतर्गत खेले जाएंगे।

नवी मुंबई के क्रिकेट प्रेमी नागरिकों से अपील की गई है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर 40 वर्ष से अधिक आयु के उन खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें, जो क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल के माध्यम से अपने स्वास्थ्य को बनाए रखे हुए हैं।

शहीद दिवस कार्यक्रम एवं सामान्य सभा में 'वंदे मातरम्' का पूर्ण गीत प्रसारित कर सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्र सरकार के 31/10/2025 के शासन निर्णय के अनुसार राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 23 मार्च से 30 मार्च तक देशभर में विविध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इसी संदर्भ में 23 मार्च 2026 को शहीद दिवस के अवसर पर महानगरपालिका मुख्यालय में 'वंदे मातरम्' गीत का पूर्ण कोरस गाया गया। सामान्यतः कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' का केवल प्रथम स्तोत्र ही गाया जाता है, किंतु इस वर्ष 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 7 नवंबर से पांच चरणों में विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

तीसरे विशेष चरण के अंतर्गत 23 मार्च से प्रारंभ होने वाले कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' का पूर्ण गीत समूह में गाया जा रहा है। इसी के तहत आज महानगरपालिका मुख्यालय स्थित

एम्फीथिएटर में आयोजित शहीद दिवस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में 3.14 मिनट अवधि का पूरा 'वंदे मातरम्' गीत प्रसारित किया गया, जिस दौरान सभी उपस्थितजन मौन खड़े रहकर राष्ट्रीय गीत को सम्मान दिया।

इसी प्रकार आज राजमाता जिजाऊ सभागृह में आयोजित स्थगित सामान्य सभा की शुरुआत में भी सामान्य संक्षिप्त प्रसारण के स्थान पर 'वंदे मातरम्' का पूर्ण गीत प्रसारित किया गया।

'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व को उजागर करने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा विभिन्न स्तरों पर, विशेषकर विद्यालयों में, अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

बाढ़ जैसी परिस्थितियों में गर्भवती महिलाओं के लिए प्रभावी ट्रैकिंग एवं आपात स्वास्थ्य प्रणाली स्थापित की जाएगी– मंत्री प्रकाश आबिटकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। स्वास्थ्य विभाग आपातकालीन परिस्थितियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक विशेष तंत्र स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर ने विधान सभा में कहा कि संवेदनशील वर्गों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ट्रैकिंग, समय पर चिकित्सा सहायता तथा आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक उपाय किए जाएंगे।

मराठवाड़ा क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति के दौरान गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के संदर्भ में सदस्य प्रशांत बंब ने विधान सभा में प्रश्न उठाया। इस दौरान सदस्य नमिता मुंडड़ा ने भी अनुपूरक प्रश्न के माध्यम से चर्चा में भाग लिया।

इस प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री आबिटकर ने कहा कि राज्य में बारिश और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर स्वास्थ्य विभाग तुरंत आवश्यक कदम उठाता है। पिछली बाढ़ के दौरान धाराशिव तथा अन्य प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावी योजना बनाकर नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान की थीं। इस कार्य से नागरिकों में विश्वास उत्पन्न हुआ है और सकारात्मक प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई है।

मंत्री आबिटकर ने यह भी कहा कि भविष्य में राज्य सरकार आपदा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सक्षम एवं व्यापक बनाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी तथा स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य तंत्र के बीच समन्वय को और मजबूत किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने फर्टिलाइजर लोडिंग में दर्ज की 129.54% की भारी वृद्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने माल ढुलाई और राजस्व अर्जन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक फर्टिलाइजर (उर्वरक) लोडिंग में लगभग 129.54इ की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है, जो रेलवे की सुदृढ़ रणनीति का परिणाम है।

वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वडोदरा मंडल ने न केवल फर्टिलाइजर, बल्कि जिप्सम और कास्टिक सोडा जैसी अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की लोडिंग में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इससे रेलवे के राजस्व (रेवेन्यू) में भारी इजाफा हुआ है।

प्रमुख आंकड़े और प्रदर्शनः

फर्टिलाइजर (दहेज रेलवे स्टेशन): वित्त

वर्ष 2024-25 में अभी तक जहाँ कुल 88 रेक लोड किए गए थे, वहीं चालू वित्त वर्ष 2025-26 इसी अवधि में यह संख्या बढ़कर 202 रेक हो गई है।

जिप्समः पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 13 रेक के मुकाबले इस वर्ष 31 रेक की वृद्धि दर्ज की गई।

कास्टिक सोडाः पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 30 रेक की तुलना में इस वर्ष लोडिंग का आंकड़ा 54 रेक तक पहुँच गया है।

वडोदरा मंडल ने उपभोक्ताओं के उत्पादों के लिए समय पर रेक उपलब्ध कराने और उन्हें सुरक्षित व संरक्षित तरीके से गंतव्य तक पहुँचाने का दृढ़ संकल्प लिया है। इन सतत प्रयासों और इच्छाशक्ति के कारण ही मालगाड़ियों का परिचालन समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे न केवल माल ग्राहकों का भरोसा बढ़ा है बल्कि रेलवे की आय में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। वडोदरा मंडल भविष्य में भी इसी तरह की कुशल प्रबंधन प्रणाली और उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ नए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तत्पर है।

पश्चिम रेलवे

फ्यूल टैंक का आवधिक ओवरहॉलिंग

उप मुख्य विद्युत अभियंता (डब्ल्यू), पश्चिम रेलवे कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400 013 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांकः ईएल/डब्ल्यूए/पीएल/2025-26/45, दिनांकः 13.03.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम एवं स्थानः** कार्य के दायरे एवं दर सूची के अनुसार पावर कार के फ्यूल टैंक का आवधिक ओवरहॉलिंग। **कार्य की अनुमानित लागतः** 49,37,167.20 **ईएमडीः** 98,800/- **प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 07.04.2026 तक 12:00 बजे तक। खोलने की अंतिम तिथि एवं समयः 07.04.2026 को 12:30 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1242

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैंः क्रमांकः 1 ई-निविदा सूचना क्रमांकः बीसीटी/25-26/349, दिनांक 18.03.2026 **कार्य एवं स्थानः** बांद्रा (पाली हिल - रेलवे कॉलोनी) - 730 दिनों की अवधि के लिए दैनिक आधार पर आवश्यकता अनुसार मरम्मत कार्य। कार्य की अनुमानित लागतः 1,07,59,322.89 **ईएमडीः** 2,15,200/- **क्रमांकः 2 ई-निविदा सूचना क्रमांकः** बीसीटी/25-26/350, दिनांक 18.03.2026 लोअर परेल (वर्कशॉप) - 730 दिनों के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से दैनिक आधार पर आवश्यकता अनुसार मरम्मत कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 1,24,68,702.95 **ईएमडीः** 2,49,400/- **दोनों निविदाओं के लिए प्रस्तुत करने की तिथि एवं समयः** 14.04.2026 तक 15:00 बजे तक। **दोनों निविदाओं के लिए खोलने की तिथि एवं समयः** 14.04.2026 को 15:30 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1246

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

डभोई स्थित इलेक्ट्रिक लोको वर्कशॉप का संचालन और रखरखाव

निविदा सूचना क्रमांक: EL/ELW/DB/2025-26/06 दिनांक 17/03/2026 निविदा क्रमांक: ELWDB2526LOCOPOH06 i. कार्य का नाम तथा उसका स्थान: 18 वर्षों की अवधि के लिए डभोई स्थित इलेक्ट्रिक लोको वर्कशॉप (ELW/DB) का संचालन और रखरखाव तथा 3-फेज लोकोमोटिव का रखरखाव (WAP7 और WAG9 का POH, CO-CO प्रकार की मोटराइज्ड बोगी का IOH, 6FRA 6068 प्रकार की ट्रैक्शन मोटर का IOH). **ii. कार्यों की अनुमानित लागत:** Rs. 4608,00,40,480.92/- **iii. बोली प्रतिभूति:** Rs.92,16,00,800/- **iv. बोली-पूर्व बैठक:** 11/04/2026 [11:00 Hours] **v. निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** 15/06/2026 को 11:00 बजे तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निविदा प्रस्तुत की जा सकेगी तथा 22/06/2026 को 11.00 बजे के बाद खुलेगी। **vi. निविदा प्रकार:** सीमित निविदा (केवल रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ही निविदा में भाग लेने के पात्र हैं) **vii** वेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है। **https://www.ireps.gov.in**, इलेक्ट्रिक लोको वर्कशॉप, टिम्बी फाटक के पास, डभोई। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता का कार्यालय, इलेक्ट्रिक लोको वर्कशॉप, डभोई, वडोदरा 391110 गुजरात

BRC 399

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

वादे अब भी अधूरेः जैसल पार्क गेट नंबर 1 पर पानी फिल्टर का इंतज़ार जारी

शिकायत, खबर और आवेदन के बाद भी नहीं लगा फिल्टर, हजारों नागरिक अब भी परेशान

भाईंदर । मंत्र भारत
जैसल पार्क चौपाटी, गेट नंबर 1 पर पीने के पानी की समस्या को लेकर उठी आवाज़ें अब भी अनसुनी बनी हुई हैं। स्थानीय नागरिकों द्वारा बार-बार शिकायतें करने, मीडिया में खबर प्रकाशित होने और संबंधित विभाग को लिखित आवेदन देने के बावजूद अब तक यहां पानी फिल्टर की व्यवस्था नहीं हो पाई है। इस मुद्दे को पहले भी प्रमुखता से उठाया गया था, जिसमें बताया गया था कि रोजाना हजारों लोग–बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और युवा–सुबह-शाम यहां टहलने, जॉगिंग और खेलकूद के लिए आते हैं। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बावजूद पीने के पानी की कोई समुचित सुविधा नहीं है। हालाँकि गेट नंबर 2 पर पानी की सुविधा है लेकिन यह गेट नंबर 1 से काफी दूरी पर है जिसके वजह से असुविधाजनक हो जाता है आम जनमानस के लिए।

जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
www.mantrabharat.news Mumbai Edition 26 Jan 2026 - Page 3

बिन पानी सब सून - जैसल पार्क चौपाटी भाईदंर की कहानी
जैसल पार्क चौपाटी गेट नंबर 1 पर पीने का पानी नही

भाईदंरः बिन पानी सब सुन - यह मिशूका है भाईदंर पूर्व जैसल पार्क चौपाटी का यहां तकरीबन हजारो की संख्या मे बूढे बुजूर्ग महिला नौजवान और छात्र छात्राओं का आना जाना है लेकिन गेट नंबर 1 पर पानी ही नदारद है । पीने के पानी ने होने के कारण सुबह जागिंग पर खासकर वरिष्ठ नागरिक बुजूर्गो को काफी तकलीफ होती है। बुजूर्ग महिलाएं भी सुबह टहलने आती है तो इस पार्क के आस पास कही पीने के पानी के अभाव मे तकलीफदेह की बात करती है। नौजवान छात्र अक्सर क्रिकेट फुटबाल और जागिंग करने आते है लेकिन पानी की कमी से वह इस तकलीफ को बंया करते है। जैसल पार्क चौपाटी भाईदंर का सबसे बडा पार्क एरिया है इसमे कई खुबसूरत गार्डेन है लेकिन पानी की व्यवस्था गेट नंबर 1 पर न होना तकलीफदेह है। इन सब लोगो से मंत्र भारत के संवावदाता की बातचीत मे यह बात सामने आयी कि गेट नंबर 1 पर पानी की सुविधा तत्काल प्रभाव से अति आवश्यक है जो बुजूर्ग वरिष्ठ नागरिक और महिलाओ को इस कठिनाई से राहत मिल सकती है।

एक बुजूर्ग ने बात करते है मंत्र भारत संवावदाता से कहा कि 'हम अक्सर आए दिन यहां पार्क मे टहलने आते है लेकिन कभी प्यास लगने पर पानी की व्यवस्था न होना तकलीफ देह है। प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियो के माध्यम से यह तकलीफ पर गुजरिश है कि वह तत्काल ध्यान दे और एक फिल्टर वाटर पानी की व्यवस्थ करे।
- भूमिशंकर स्थानीय वरिष्ठ नागरिक
मै इस पार्क मे बतौर सागरी तट गेट नंबर 1 पर तैनात हूं पानी की तकलीफ हमे होने पर अक्सर दूर जाकर लाना पडता है जिस वजह से असुविधाजनक चीजो का अनुभव होता है प्रशासन और मनपा इस बाबत पानी फिल्टर लगाकर देगी तो हजारो लोगो को इसका लाभ होगा।
- नितिन रामचंद्र माछी
मै अक्सर यहां आकर पीने के पानी की तकलीफ से जूझता हूं रात के समय ड्यूटी करते हुए मुझे यह अनुभव कडवा लगता है इतना बडा प्रशासन एक पानी की सुविधा पर ध्यान तो देना चाहिए।
- अशोक स्थानीय तटरक्षक
पीने के पानी जैसल पार्क चौपाटी जैसे बडे जगह पर होना नितांत आवश्यक है मै जब ड्यूटी पर होता हूं तो गेट 1 से दूर गेट 2 पर जाकर पानी लाना पडता है वह पानी की भी गुणवत्ता इतन अच्छी नही है । प्रशासन और जनसेवक इस पर ध्यान देकर फिल्टर वाटर की सुविधा पर ध्यान दे।
- संग्राम , पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान

स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ समस्या और गंभीर होती जा रही है। कई बुजुर्गों को प्यास लगने पर मजबूरी में दूर जाना पड़ता है, जिससे उनकी सेहत पर भी असर पड़ता है।आशीर्वाद फाउंडेशन के अध्यक्ष गणेश पांडे द्वारा 6 फरवरी 2026 को पीडब्ल्यूडी विभाग और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका को एक औपचारिक पत्र देकर इस समस्या के समाधान की मांग की गई थी। पत्र में स्पष्ट रूप से पानी स्टोरेज टैंक और फिल्टर प्लांट लगाने की जरूरत बताई गई थी, ताकि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मिल सके।हालांकि, सूत्रों के अनुसार अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण कर सकारात्मक संकेत दिए थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्य शुरू नहीं हुआ है।

मनपा अधिकारियों के बयानः
सिटी इंजीनियर दीपक खाम्बित ने बताया, 'मामले को सर्वेक्षण के लिए जूनियर इंजीनियर के पास भेजा गया है।'जल विभाग के काकडे के अनुसार, 'पानी के कनेक्शन के लिए पहले अंडरग्राउंड जल स्टोरेज की सुविधा जरूरी है, उसके बाद ही कनेक्शन संभव हो पाएगा।'जल विभाग के सुनील ने कहा, 'सर्वे किया जा चुका है, अब अंडरग्राउंड टंकी बनने का इंतजार है, ताकि आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके।'
वहीं PWD विभाग के राजेन्द्र का कहना है, 'सर्वे किया गया है, आगे का काम जारी है, थोड़ी प्रतीक्षा करें।'

जमीनी हकीकतः
अधिकारियों के इन बयानों के बावजूद, गेट नंबर 1 पर अभी भी पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। रोजाना हजारों लोग–बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और युवा–यहां आते हैं, लेकिन उन्हें पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।
एक वरिष्ठ नागरिक ने कहा,'हर बार आश्वासन मिलता है, लेकिन जमीन पर कुछ नजर नहीं आता। हमें सिर्फ साफ पानी चाहिए, जो हमारा बुनियादी अधिकार है।'

स्थानीय मांगः
गेट नंबर 1 पर तुरंत वाटर फिल्टर प्लांट लगाया जाए
अस्थायी रूप से पानी की टंकी की व्यवस्था की जाए
नियमित मेंटेनेंस और स्वच्छता सुनिश्चित की जाए
कागज़ पर सर्वे और प्रक्रिया आगे बढ़ने के दावे जरूर किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत में नागरिक आज भी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। जैसल पार्क जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर पीने के पानी की व्यवस्था न होना प्रशासनिक सुस्ती को उजागर करता है।
अब सबसे बड़ा सवाल यही है–क्या यह मामला सिर्फ फाइलों तक सीमित रहेगा, या जमीन पर जल्द पानी की सुविधा दिखाई देगी?

अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई; तीन महीने के भीतर होगी जांच– राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई। भिवंडी क्षेत्र सहित रायगढ़ और पालघर जिलों में चल रहे अवैध खनन और तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। अगले तीन महीनों में पिछले पांच वर्षों के परमिटों की जांच की जाएगी और यदि अनियमितताएं पाई गईं तो संबंधितों पर जुर्माना, ब्याज और आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे। साथ ही यदि संबंधित अधिकारी दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी, यह जानकारी राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधान सभा में दी।

भिवंडी तथा आसपास के क्षेत्रों सहित रायगढ़ और पालघर जिलों में अवैध खनन और तस्करी के कारण सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस संबंध में सदस्य सुनील प्रभु ने तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग करते हुए विधान सभा में ध्यानाकर्षक सूचना प्रस्तुत की। इस चर्चा में सदस्य दिलीप लांडे, राजू खरे और नाना पटोले ने भाग लिया।
राजस्व मंत्री बावनकुले ने बताया कि अवैध खनन और स्टोन क्रशर परियोजनाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई की गई है। संबंधित स्थानों पर अपराध दर्ज करने, जुर्माना वसूलने और अवैध भंडार जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं।
उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर खनन के लिए आवश्यक नियमों जैसे खनन पट्टा, पर्यावरण अनुमति, विस्फोटक उपयोग अनुमति, ग्राम पंचायत की अनापत्ति प्रमाणपत्र आदि का पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए जीपीएस और मैपिंग के माध्यम से सटीक जानकारी एकत्र कर अवैध खनन की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी।
मंत्री बावनकुले ने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर अनुमति नहीं दी गई है, वहां खनन और स्टोन क्रशर तुरंत बंद किए जाएंगे। जिला कलेक्टर को सीधे जिम्मेदारी दी गई है और अवैध भंडार भी जब्त किए जाएंगे। जिन परियोजनाओं के पास आवश्यक अनुमति, पर्यावरण स्वीकृति, खनन योजना, विस्फोटक लाइसेंस और ग्राम पंचायत की अनापत्ति नहीं है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
राज्य में खनन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए जीपीएस और गूगल मैपिंग के माध्यम से सर्वेक्षण किया जाएगा। पिछले पांच वर्षों में दिए गए परमिटों में अनियमितताओं की भी जांच की जाएगी। जिन परियोजनाओं के पास वैध अनुमति है, उन्हें प्रभावित किए बिना अवैध खनन पूरी तरह बंद किया जाएगा। यदि किसी मामले में अधिकारी संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र लोक भवन में बिहार राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

बिहार संसदीय परंपराओं की जन्मभूमि हैः राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा की उपस्थिति में महाराष्ट्र लोक भवन में 'बिहार राज्य स्थापना दिवस' मनाया गया। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत महाराष्ट्र लोक भवन द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुंबई विश्वविद्यालय का सहयोग रहा।
इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि बिहार संस्कृति, आध्यात्म और दर्शन की भूमि है। इसी भूमि ने देश को भगवान महावीर और भगवान बुद्ध दिए हैं। भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, लेकिन उससे भी बढ़कर भारत लोकतंत्र की जननी है और इस लोकतांत्रिक परंपरा का आधार बिहार में विकसित बौद्ध संघ की कार्यप्रणाली में दिखाई देता है। इस कारण बिहार को संसदीय परंपराओं की जन्मभूमि कहा जा सकता है।
राज्यपाल ने आगे कहा कि बिहार के लोग महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के माध्यम से बिहार के अधिकारी अनेक राज्यों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। देश के सभी हिस्सों में बिहारी समाज की उपस्थिति है, यहां तक कि पूर्वोत्तर राज्यों जैसे त्रिपुरा में भी 'छठ पूजा' मनाई जाती है। आज बिहार अपने समृद्ध इतिहास को भविष्य के विकास के साथ जोड़ रहा है।
उन्होंने कहा कि भारत केवल सीमाओं, सेना और विदेश नीति तक सीमित देश नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्र अवधारणा है जो संस्कृति और ज्ञान परंपरा पर आधारित है। राज्यों की विविधता के बावजूद देश में एकता की भावना गहराई से निहित है।
इस अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें बिहार के लोकनृत्य और भोजपुरी गीत शामिल थे। इस प्रस्तुति की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बिहार के गीत, नृत्य और संगीत में अद्भुत ऊर्जा और उत्साह है।
कार्यक्रम के दौरान बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन का संदेश वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। साथ ही बिहार राज्य की विस्तृत जानकारी देने वाला एक वीडियो क्लिप भी प्रस्तुत किया गया।
सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुंबई विश्वविद्यालय के छात्रों ने मिथिला क्षेत्र के लोकनृत्य, जिजिया और जट-जटिन प्रस्तुत किए तथा भोजपुरी गीत भी गाए।
कार्यक्रम का परिचय राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नरनवारे ने दिया, जबकि शिक्षा शाखा की कक्ष अधिकारी वंदना मोरमारे ने आभार व्यक्त किया।
इस अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुलकर्णी और प्रोकुलपति प्रो. अजय भामरे ने राज्यपाल का सम्मान किया।
कार्यक्रम में राज्यपाल के संयुक्त सचिव एस. राममूर्ति, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रसाद करांडे, छात्र विकास निदेशक डॉ. सुनील पाटिल, सांस्कृतिक कार्यक्रम समन्वयक निलेश सावे, विश्वविद्यालय के छात्र तथा लोक भवन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंद्रपुर की सहकारी संस्थाओं में धान खरीद लेनदेन की जांच– मंत्री छगन भुजबळ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के अंतर्गत किसानों के हित के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा धान की खरीद की जाती है। इस प्रक्रिया में यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था है कि किसानों को निर्धारित मूल्य मिले और उनके साथ कोई धोखाधड़ी न हो। चंद्रपुर में धान खरीद के संबंध में सहकारी संस्थाओं के लेनदेन की जांच प्रधान सचिव, सहकार, विपणन एवं वस्त्रोद्योग तथा महाराष्ट्र राज्य सहकारी विपणन महासंघ, मुंबई द्वारा की जा रही है, यह जानकारी खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबळ ने दी।
इस संबंध में विधायक रामदास मसराम ने मुद्दा उठाया था।
मंत्री छगन भुजबळ ने बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत केंद्र सरकार विभिन्न फसलों के लिए समर्थन मूल्य घोषित करती है। किसानों को इसका लाभ मिले और उन्हें निर्धारित मूल्य से कम कीमत पर अनाज न बेचना पड़े, इसके लिए राज्य सरकार धान, ज्वारी, बाजरा, मक्का और रागी जैसे मोटे अनाज की खरीद करती है। गडचिरोली जिले में यह योजना जिला विपणन कार्यालय, क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय गडचिरोली तथा उप क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय अहेरी के माध्यम से लागू

की जाती है।
उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में नागपुर विभाग के उप आयुक्त (आपूर्ति) को आर्मोरी तालुका के मौजा कसावी और आपटा में फर्जी सातबारा के आधार पर नकली किसानों के नाम पर धान खरीद कर शासन को धोखा देने की शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके अनुसार गडचिरोली जिला उपनिबंधक, सहकारी संस्थाएं स्तर पर समिति गठित कर जांच की गई, जिसमें धान खरीद में कोई अनियमितता नहीं पाई गई। इसके अलावा 16 अप्रैल 2025 को गडचिरोली के जिला कलेक्टर ने उपविभागीय अधिकारी, देसाईगंज की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की, जिसकी रिपोर्ट में भी कोई विसंगति नहीं पाई गई।
मंत्री भुजबळ ने बताया कि चामोर्शी तालुका में भूमिहीन और लघुधारक किसानों को 5 एकड़ भूमि दिखाकर बोनस देने के संबंध में मिली शिकायतों पर जिला कलेक्टर, गडचिरोली ने उपविभागीय अधिकारी, चामोर्शी की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की। इस समिति की रिपोर्ट में चामोर्शी की खरीद-विक्रय संस्था की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके आधार पर 30 अप्रैल 2025 को संबंधित संस्था के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश जिला विपणन अधिकारी को दिए गए तथा उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।
उन्होंने आगे कहा कि एमएसपी योजना के तहत धान परिवहन करने वाले सभी वाहनों में जीपीएस प्रणाली स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का पालन न करने वाले मिलर्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चंद्रपुर जिले में जिला विपणन अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे श्री तिवाडे के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के अनुसार प्रधान सचिव, सहकार, विपणन एवं वस्त्रोद्योग तथा महाराष्ट्र राज्य सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड, मुंबई द्वारा कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।
इस विषय पर हुई चर्चा में विधायक विजय वडेट्टीवार, डॉ. नितिन राऊत, संजय मेश्राम और नाना पटोले ने भाग लिया।

महावितरण के विभिन्न परिपथों के कार्यों को लेकर शिकायतों की जांच होगी– राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महावितरण के बारामती, पुणे, नाशिक और कोल्हापुर परिपथों में ठेकेदार आर. एन. इलेक्ट्रिकल्स द्वारा किए गए कार्यों में फर्जी बिलिंग, वित्तीय गड़बड़ी और घटिया काम के कारण हुई दुर्घटनाओं संबंधी सदस्यों द्वारा उठाई गई शिकायतों के अनुसार विधान सभा में जांच की जाएगी, यह जानकारी राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने दी।

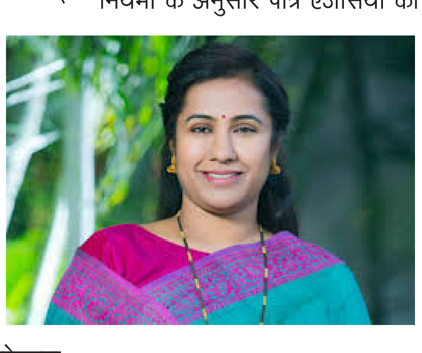

इस संबंध में सदस्य महेश सावंत ने विधान सभा में फर्जी बिलिंग, वित्तीय गड़बड़ी और घटिया कार्यों के कारण हुई दुर्घटनाओं को लेकर ध्यानाकर्षक सूचना प्रस्तुत की।
इस चर्चा में सदस्य राजू तोडसम, अभिजीत पाटिल और प्रशांत बंब ने भी भाग लिया।
राज्य मंत्री श्रीमती साकोरे-बोर्डीकर ने कहा कि अब तक की गई जांच में ठेकेदार आर. एन. इलेक्ट्रिकल्स के संबंध में कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया है। जिस स्थान पर ठेकेदार ने कार्य किया है, वहां किसी दुर्घटना का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। कोल्हापुर परिपथ में इस एजेंसी को कोई कार्य नहीं दिया गया था, जबकि अन्य परिपथों में किए गए कार्यों की भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जांच की गई है।
हालांकि, सदस्यों द्वारा उठाए गए विशिष्ट मुद्दों और शिकायतों पर पुनर्विचार कर विस्तृत जांच की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि महावितरण द्वारा सभी कार्य समय पर पूर्ण हों, इसके लिए लगातार निगरानी रखी जाती है और दुर्घटना की स्थिति में संबंधितों को सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाते हैं।
नियमों के अनुसार पात्र एजेंसियों को अनुमोदित (पंजीकृत) सूची में शामिल कर कार्य दिया जाता है। संबंधित एजेंसी को भी इसी प्रक्रिया के तहत कार्य दिया गया है। सदस्यों द्वारा बताए गए दो दुर्घटना मामलों में संबंधित एजेंसी ने कार्य नहीं किया था, इसलिए उन्हें उन घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।
इसके अलावा, पावर ट्रांसफार्मर और ब्रेकर जैसे महत्वपूर्ण उपकरण महाराष्ट्र वितरण कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं, जबकि ठेकेदारों द्वारा केवल स्थानीय स्तर पर छोटे-मोटे सामग्री का उपयोग किया जाता है, ऐसा भी राज्य मंत्री श्रीमती साकोरे-बोर्डीकर ने स्पष्ट किया।

भुसावल मंडल रेल अस्पताल में टेलीमेडिसिन सुविधा का शुभारंभ, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने तथा गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं की पहुँच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मध्य रेलवे के भुसावल मंडल ने मंडल रेल अस्पताल (डीआरएच), भुसावल में टेलीमेडिसिन सेवाओं को औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दिया है। यह पहल रेलवे प्रशासन एवं रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लागू की गई है, जिनके तहत सभी रेलवे अस्पतालों में टेली-परामर्श सेवाएँ शुरू करना अनिवार्य किया गया है, ताकि चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, दक्षता और निरंतरता सुनिश्चित की जा सके।
टेलीमेडिसिन की निर्धारित समय-सारणी
स्वीकृत ढाँचे के अनुसार टेलीमेडिसिन सेवाएँ निम्नानुसार उपलब्ध रहेंगीः
प्रत्येक शुक्रवारः दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे तक
टेली-परामर्श डॉ. जितेश ठाकरे, मंडल चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ), भुसावल द्वारा तथा आवश्यकता अनुसार डीआरएच के विशेषज्ञों की टीम द्वारा किया जाएगा। यह प्रक्रिया एक संरचित और सुरक्षित प्रणाली के माध्यम से संचालित होगी।
लाभार्थी एवं उद्देश्य
टेलीमेडिसिन सुविधा मुख्य रूप से निम्नलिखित के लिए शुरू की गई हैः
रेलवे कर्मचारी
उनके आश्रित
रेलवे पेंशनर
विशेष रूप से उन लाभार्थियों को ध्यान में रखा गया है जो दूरस्थ स्टेशनों एवं बाहरी स्वास्थ्य इकाइयों में रहते हैं, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ आसानी से उपलब्ध नहीं होती हैं।
टेली-परामर्श के लिए एक समर्पित मोबाइल नंबर निर्धारित किया गया है, जिससे संचार, समय निर्धारण और रिकॉर्ड प्रबंधन सुव्यवस्थित रूप से किया जा सके।
सुविधा एवं उपकरण व्यवस्था

परामर्श कक्ष को टेलीविजन और डेस्कटॉप कंप्यूटर से सुसज्जित किया गया है, जो टेलीमेडिसिन गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। यह प्रणाली दो-तरफा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को सक्षम बनाती है, जिसमें मुख्य रूप से व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से संवाद किया जाता है। मरीज अपनी जांच रिपोर्ट आसानी से साझा कर सकते हैं और डॉक्टर डिजिटल माध्यम से उनका अवलोकन कर चिकित्सा सलाह प्रदान करते हैं।
विशेषज्ञ नेटवर्क एवं समन्वय
यह प्रणाली मरीजों को विशेषज्ञों के व्यापक नेटवर्क से जोड़ती है, जिससे बिना यात्रा किए विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ प्राप्त की जा सकती हैं। डॉ. जितेश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो संचालन एवं समन्वय सुनिश्चित करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर तीन-तरफा कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अतिरिक्त विशेषज्ञों को भी जोड़ा जा सकता है।
नेतृत्व एवं क्रियान्वयन
इस पहल को भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के गतिशील नेतृत्व और सक्रिय मार्गदर्शन में शुरू किया गया है। तकनीक आधारित प्रशासन और कर्मचारी कल्याण के प्रति उनकी दृष्टि ने इस प्रकार की प्रगतिशील स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दिया है।
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, भुसावल ने टेलीमेडिसिन व्यवस्था के विकास, संरचना और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्रणाली रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार विकसित की गई है तथा इसे मौजूदा अस्पताल प्रक्रियाओं के साथ सुचारु रूप से एकीकृत किया गया है, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।
आपातकालीन सेवाओं का पूरक
रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि टेलीमेडिसिन सेवाएँ मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं का पूरक हैं और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का स्थान नहीं लेंगी। आपात स्थिति में मरीजों का उपचार निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार प्रत्यक्ष जांच एवं रेफरल के माध्यम से ही किया जाएगा।
टेलीमेडिसिन सेवा से निम्नलिखित लाभ अपेक्षित हैंः
मरीजों की अनावश्यक यात्रा में कमी
परामर्श के लिए प्रतीक्षा समय में कमी
चिकित्सा सलाह की बेहतर उपलब्धता
विशेषज्ञ संसाधनों का बेहतर उपयोग
भारतीय रेल में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती
यह पहल भुसावल मंडल की सुव्यवस्थित, पारदर्शी और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही, यह प्रशासनिक दूरदर्शिता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो कर्मचारी कल्याण और चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
टेलीमेडिसिन सेवाओं के संचालन के साथ, भुसावल मंडल भारतीय रेल में अधिक सुलभ, कुशल और तकनीक-संचालित स्वास्थ्य प्रणाली की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

पुणे महानगरपालिका कॉलोनियों के पुनर्विकास के लिए अलग नीति बनाकर काम को गति देगी– राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई, 23ः राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने विधान सभा में जानकारी दी कि पुणे महानगरपालिका की जर्जर कॉलोनियों के पुनर्विकास के लिए अलग नीति तैयार कर इस समस्या का समाधान किया जाएगा।
इस संबंध में सदस्य हेमंत रासने ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किया।
राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि शहर की कई मनपा कॉलोनियां अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं और केवल अस्थायी मरम्मत से समस्या का समाधान संभव नहीं है। संरचनात्मक ऑडिट के बाद पुनर्विकास की आवश्यकता स्पष्ट हो गई है। साने गुरुजी कॉलोनी की 11 मंजिला इमारत में 152 घरों का कार्य अंतिम चरण में है और इन घरों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। राजेंद्रनगर, घोरपडे पेठ और गणेश पेठ में लगभग 400 घर किराये के आधार पर दिए गए हैं।
वर्तमान नीति के अनुसार कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद घर वापस लिए जाने की अपेक्षा होती है। हालांकि, निवासियों द्वारा स्वामित्व अधिकार की मांग तथा स्थानांतरण (ट्रांजिट कैंप) को अस्वीकार करने के कारण कई परियोजनाएं रुकी हुई हैं। इसी कारण राजेंद्रनगर के पुनर्विकास का निविदा भी रद्द करना पड़ा, ऐसा उन्होंने बताया। उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न कॉलोनियां अलग-अलग लेआउट में होने के कारण एफएसआई से संबंधित समस्याएं भी सामने आती हैं। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए लगभग चार हजार घरों के लिए एक व्यापक नीति तैयार की जा रही है, जिससे मनपा कर्मचारियों की कॉलोनियों के पुनर्विकास को गति मिलेगी।

सम्पादकीय

एक वर्ष में छब्बीस हजार करोड़ रुपए के बीमा दावे खारिज, कंपनियों और निजी अस्पतालों के गठजोड़ में फंसता आम आदमी का भरोसा

यह विडंबना ही है कि जिस भरोसे की वजह से कोई व्यक्ति बीमारी का इलाज कराने किसी निजी अस्पताल में जाता है, वह उसके लिए एक नई परेशानी की वजह बन जाता है। भविष्य में इलाज का खर्च उठाने की राह आसान बनाने का भरोसा देकर बीमा कंपनियां लोगों को अपनी योजनाओं का हिस्सा बनने के लिए तो तैयार कर लेती हैं, लेकिन जब इलाज पर हुए खर्च की भरपाई करने का वक्त आता है, तो उसमें कई तरह की अड़चन पेश कर दी जाती है या कई बार मना भी कर दिया जाता है।

निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच मिलीभगत के सहारे चल रही इस गड़बड़ी के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, लेकिन अब तक इस तरह के घोटालों पर रोक को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस सक्रियता नहीं देखी गई है। हाल ही में यह मसला संसद में उठाया गया, जिसमें सरकार से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने संसद में कहा कि निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का ऐसा मकड़जाल बन गया है, जो आम लोगों की कमर तोड़ रहा है।

अक्सर ऐसे मामले देखे जाते हैं, जिसमें अस्पताल में मरीज की मौत हो जाती है और नियमों का हवाला देकर या अलग-अलग कारण बता कर बीमा कंपनी दावे को खारिज कर देती है। इलाज के दौरान अस्पताल में किसी मरीज की मौत हो जाती है, तो कई बार खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल शव देने तक से इनकार कर देता है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसी स्थिति में मरीज के परिजन किस तकलीफ से गुजरते होंगे। सवाल है कि बीमा कराने के लिए लोगों को आकर्षित करने के कारोबार को इजाजत देने वाले संबंधित सरकारी महकमे इस तरह की मनमानियों के खिलाफ क्या कदम उठाते हैं। इसी मसले पर एक अन्य राज्यसभा सांसद संजय यादव ने कहा कि कंपनियां हर साल करोड़ों रुपए का प्रीमियम तो इकट्ठा करती हैं, लेकिन जब इलाज के बाद मरीज या उसके परिजन खर्च के भुगतान के लिए संपर्क करते हैं, तो वे अलग-अलग तकनीकी कारणों का हवाला देकर रकम का एक बड़ा हिस्सा काट लेती हैं।

असल में कंपनियां जब लोगों को बीमा कराने का भरोसा दे रही होती हैं, तब नियम-शर्तों को बताने के मामले में स्पष्टता और पारदर्शिता नहीं बरती जाती। दूसरी ओर, ज्यादातर लोग अस्पष्ट और जटिल स्वरूप में दर्ज नियमों के मामले को कंपनी के भरोसे पर छोड़ देते हैं। बाद में कंपनियां लोगों के इसी भरोसे का फायदा उठा कर नियमों को आधार बनाती हैं। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आइआरडीए) के 2024 के आंकड़े के मुताबिक, एक ही वर्ष में करीब छब्बीस हजार करोड़ रुपए के बीमा दावे खारिज हुए। किसी अस्पताल में भर्ती होने और इलाज पर आए खर्च के मुकाबले काफी कम रकम का भुगतान करने के मामले आम रहे हैं।

चीन के मुकाबले भारत की रक्षा तैयारी कितनी मजबूत है? संसाधन और ताकत के मामले में कौन-सा देश आगे है?

एशिया की भू राजनीति इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां दो महाशक्तियां आमने सामने हैं। एक तरफ विस्तारवादी मंशा से आगे बढ़ता चीन है और दूसरी तरफ तेजी से आत्मनिर्भर और आक्रामक रणनीति अपनाता भारत है। सवाल यह नहीं कि कौन ज्यादा ताकतवर है, बल्कि सवाल यह है कि अगर टकराव हुआ तो कौन भारी पड़ेगा। तथ्य बताते हैं कि चीन अभी भी संसाधनों और संख्या के मामले में आगे है, लेकिन भारत ने पिछले एक दशक में जो रणनीतिक बदलाव किए हैं, उन्होंने इस अंतर को तेजी से कम किया है।

सबसे पहले सैन्य संख्या की बात करें तो चीन के पास लगभग बीस लाख सक्रिय सैनिक हैं जबकि भारत के पास करीब चौदह से पंद्रह लाख के बीच सक्रिय सेना है। पहली नजर में यह अंतर बड़ा लगता है, लेकिन युद्ध केवल संख्या से नहीं जीता जाता। भारत के पास अर्धसैनिक बलों का विशाल ढांचा है जो युद्ध की स्थिति में बड़ी ताकत बन सकता है।

हथियारों और तकनीक की बात करें तो वायु शक्ति के मामले में तस्वीर साफ तौर पर चीन के पक्ष में झुकी हुई नजर आती है। कुल सैन्य विमान बेड़े में चीन के पास लगभग 3300 से अधिक विमान हैं, जबकि भारत के पास करीब 2229 विमान हैं। यानी संख्या के लिहाज से चीन को स्पष्ट बढ़त हासिल है। अगर केवल लड़ाकू विमानों की बात करें तो यह अंतर और भी चौड़ा हो जाता है। चीन के पास करीब 2000 से 2100 लड़ाकू विमान हैं, जबकि भारत के पास लगभग 550 से 600 के बीच फाइटर जेट हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि सीधे हवाई टकराव की स्थिति में चीन की संख्या आधारित ताकत भारी पड़ सकती है। हालांकि तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही अहम है। भारत की वायुसेना केवल संख्या पर नहीं, बल्कि संतुलित संरचना, मल्टी रोल क्षमता और रणनीतिक तैनाती पर आधारित है, जो उसे हर हालात में जवाब देने लायक बनाती है।

इसके अलावा यह भी तथ्य अहम है कि भारत इस अंतर को तेजी से कम करने की दिशा में आक्रामक कदम उठा चुका है। भारत ने फ्रांस के साथ बड़े स्तर पर रक्षा करार करते हुए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दी है, जो विमानवाहक पोतों पर तैनात होंगे और समुद्री युद्ध क्षमता को मजबूत करेंगे। इसके साथ ही भारत 114 नए मल्टी रोल राफेल लड़ाकू विमानों के बड़े सौदे की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है, जो वायुसेना की ताकत को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। इतना ही नहीं, फ्रांस के साथ संयुक्त उत्पादन, हेलिकॉप्टर निर्माण और मिसाइल सिस्टम के सह उत्पादन जैसे समझौते भी किए जा रहे हैं, जिससे भारत न केवल अपनी वायु शक्ति बढ़ा रहा है बल्कि आत्मनिर्भर रक्षा निर्माण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। वायु शक्ति बढ़ाने के लिए भारत कई अन्य देशों से भी खरीद के मुद्दे पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण तथ्य नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का युद्ध अनुभव चीन से कहीं अधिक व्यावहारिक है। खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में युद्ध की बात करें तो भारतीय सेना का अनुभव लद्दाख और सियाचिन जैसे क्षेत्रों में चीन से कहीं आगे है। यह वह मोर्चा है जहां आंकड़े नहीं बल्कि जमीनी हकीकत जीत तय करती है।

इसके अलावा, जमीनी युद्ध की स्थिति में हिमालय भारत के लिए एक प्राकृतिक किला बन जाता है। चीन की भारी सेना और उपकरण इस इलाके में उतने प्रभावी नहीं रह जाते जितने खुले मैदान में होते हैं। भारतीय सेना ने दशकों तक इन परिस्थितियों में खुद को ढाला है, जबकि चीन को इस तरह की चुनौतियों का सीमित अनुभव है।

वहीं तोपखाने और तैनाती की बात करें तो भारत की स्थिति कई मामलों में मजबूत है। ऊंचाई पर तेजी से हथियार पहुंचाने और उन्हें संचालित करने की क्षमता भारत की बड़ी ताकत है।

नौसेना के क्षेत्र में तस्वीर थोड़ी अलग है। चीन की नौसेना आकार में बड़ी है, लेकिन भारत की भौगोलिक स्थिति उसे रणनीतिक बढ़त देती है। हिंद महासागर में भारत का प्रभाव चीन के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। भारत के पास विमानवाहक पोत हैं और समुद्री मार्गों पर उसकी पकड़ मजबूत है। युद्ध की स्थिति में यह क्षेत्र चीन की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

अब बात आती है आधुनिक युद्ध की, जहां असली खेल साइबर और अंतरिक्ष में हो रहा है। इस क्षेत्र में चीन ने तेजी से बढ़त बनाई है। साइबर हमले, उपग्रह तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में चीन आगे है। भारत ने इस दिशा में कदम जरूर बढ़ाए हैं, लेकिन अभी काफी दूरी तय करनी बाकी है। यही वह क्षेत्र है जो आने वाले समय में युद्ध की दिशा तय करेगा।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह मुकाबला केवल दो देशों के बीच नहीं है। यह पूरे एशिया में शक्ति संतुलन की लड़ाई है। भारत अब केवल सीमा की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है। पड़ोसी देशों के साथ सहयोग, कनेक्टिविटी परियोजनाएं और वैश्विक साझेदारियां इस दिशा में साफ संकेत देती हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्र प्रथम नीति ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। इस नीति का सीधा असर रक्षा क्षेत्र में दिख रहा है। भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहना चाहता, बल्कि खुद उत्पादन करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीमा क्षेत्रों में सड़कों और बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास, सेना को आधुनिक हथियारों से लैस करना और वैश्विक स्तर पर रणनीतिक साझेदारी बढ़ाना इस नीति के प्रमुख स्तंभ हैं। इसका परिणाम यह है कि भारत अब जवाबी रणनीति अपनाने की स्थिति में आ चुका है।

बहरहाल, यह एक तथ्य है कि चीन अभी भी संसाधनों, बजट और तकनीक में आगे है। लेकिन भारत ने अपनी कमजोरियों को ताकत में बदलना शुरू कर दिया है। भूगोल, अनुभव और रणनीतिक सोच भारत को इस मुकाबले में मजबूती देते हैं। अगर टकराव होता है तो यह एकतरफा नहीं होगा। भारत अब वह देश नहीं है जो दबाव में झुक जाए। यह एक ऐसा राष्ट्र बन चुका है जो चुनौती को स्वीकार करता है और जवाब देने की क्षमता रखता है। डोकलाम और गलवान दिखा चुके हैं कि भारत अब चीन के मुकाबले में पीछे नहीं, बल्कि बराबरी पर खड़ा है।

जब आम बौराते हैं, प्रकृति क्यों हो जाती है और भी खूबसूरत, क्या है दोनों के बीच है खूबसूरत संबंध

हजारी प्रसाद द्विवेदी का बहुत रोचक ललित निबंध है- 'आम फिर बौरा गए हैं।' यह इतनी कमाल की रचना है कि इसे बार-बार पढ़ने को मन करता है। इसमें लेखक कहते हैं कि हर साल मेरी आंखें इन्हें ही खोजती हैं। वे बताते हैं कि बचपन में सुना था कि वसंत पंचमी से पहले अगर आम्रमंजरी दिख जाए, तो हथेली पर रगड़ लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी हथेली साल भर तक बिच्छू के जहर को आसानी से उतार सकती है। इसी संदर्भ को आगे बढ़ाते हुए वे बताते हैं कि अब हथेली से तो नहीं रगड़ता, पर वसंत पंचमी से पहले जब कभी आम्रमंजरी दिख जाती है, तो बिच्छू की याद अवश्य आती है।

आम संसार का सबसे मीठा फल है। ग्रामीण इलाकों के बाग-बगीचे तो एक प्राकृतिक शोभा हैं ही, लेकिन अब देखा जा सकता है कि शहरों में जिनके पास जमीन का छोटा टुकड़ा भी कहीं बचा हुआ है, वे एक छोटा ही सही, आम का पेड़ लगा लेते हैं। अगर कहीं मोहल्ले या किसी के घर के प्रांगण में आम के पेड़ लगे हुए हैं, तो इस मौसम में उन पर नजर जाना स्वाभाविक है। इन दिनों इन पेड़ आम्रमंजरियों से लदे हुए हैं। इन्हें आम भाषा में बौर भी कहते हैं।

क्या बौर की यह पहचान बौराने शब्द से निर्धारित हुई? दरअसल, बौराने के कई अर्थ भी हैं। अक्सर आम के मौसम में जितने पड़े होते हैं, उनमें से आधे पर ही बौर आते हैं। मानो इन्होंने बारी तय कर रखी हो कि इस बार तुम, अगली बार हम। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था। मगर कई बार सभी पेड़ बौर से लद जाते हैं। इस बार ऐसा क्या है कि सबके सब मंजरियों के भार से झुके जा रहे हैं। क्या मौसम के चक्र को देखते हुए ये अपनी संततियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं? अधिक मंजरियां या बौर यानी कि अधिक फल, अधिक बीज। अधिक पेड़ और सृष्टि का चलता अनंत चक्र।

जब आम पर बौर आते हैं, तो माना जाता है कि इस बार आम खूब फलेंगे। लोगों का इस कल्पना में जाना स्वाभाविक होता है कि इस बार आम खूब खाएंगे, अचार बनेगा, चटनी बनेगी। खटाई सुखाई जाएगी। आम के तरह-तरह के शर्बत की बहार होगी। मगर जो लोग प्रकृति के चक्र को समझते हैं, उनके भीतर भी एक प्रार्थना मन ही मन चलती रहती है कि आम के पेड़ आंधियों से बच जाएं।

आंधी आती है, तो जैसे इन्हें उजाड़ देती है। एक कहावत मशहूर है कि 'आंधी के आम।' दरअसल, जब आंधी आती है, तो बहुत-सी अमियां नीचे गिर जाती हैं। इन्हें बटोरने वाले आ पहुंचते हैं। मंडी में आवक बढ़ती है। गांव और कस्बों में अक्सर लोग आंधी के बाद कच्चे आम और अमिया खरीदने बाजार जाते हैं, जिससे सस्ते दामों पर इन्हें खरीद सकें।

अब शहर के वासी बन गए जो लोग कभी गांव के वासी होंगे, उन्हें याद होगा कि किस तरह बच्चों को पेड़ के नीचे मिली अमिया बटोरने का बड़ा शौक होता था। शायद इससे बड़ा उपहार उस समय उनके लिए और कोई नहीं होता था। आज भी गांव के कई बच्चे अक्सर अपने पास नमक और लाल मिर्च पुड़िया में बांधकर रखते हैं। अमिया मिली नहीं कि पोंछकर नमक-मिर्च के साथ मुंह में।

दिल्ली में न जाने क्यों, जमीन पर गिरे फल उठाने में लोग संकोच करते हैं। जबकि जो फल या सब्जियां मंडी में बिकने आती हैं, वे जमीन की ही पैदाइश होती हैं। मिट्टी न हो, तो कोई फसल न हो, लेकिन शायद यह सोच हावी है कि नीचे गिरा कोई फल बीमार कर सकता है। अपनी हैसियत का सवाल भी है कि अगर कोई जमीन से फल उठाते देखेगा, तो क्या कहेगा। दक्षिण में आम सर्दियों के मौसम में लगते हैं। जनवरी के महीने में आमों से लदे वृक्ष दिखाई देते हैं। ये भी प्रकृति की गजब लीला ही है कि उत्तर भारत में आम गर्मियों का राजा है, तो दक्षिण में सर्दियों का। कोयल की कूक सुन कर यह घोषणा की जा सकती है कि आम का मौसम आ गया। फाख्ता भी सुर में गाती है, गर्मी की सूचना देती है।

भारत में आम की एक हजार से अधिक किस्में पाई जाती हैं। इनमें से प्रमुख हैं- दशहरी, अल्फांसो, केसर, चौसा, सफेदा आदि। उत्तर प्रदेश में दशहरी आम की पैदावार सबसे ज्यादा होती है। अल्फांसो, महाराष्ट्र और गोवा का सबसे मशहूर आम है। यों भी, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश माना जाता है।

उत्तर प्रदेश के मलीहाबाद में रहने वाले हाजी कलीमुद्दीन चौरासी वर्ष के हैं। उनके पास आम का एक सौ पचीस साल पुराना पेड़ है। इस एक ही पेड़ पर उन्होंने 'कलम लगाने' या 'ग्राफ्टिंग' के जरिए तीन सौ प्रकार के आम लगा रखे हैं। कई बार भारत के कुछ मशहूर लोगों के नाम पर भी आम के नाम रख दिए जाते हैं।

आम का फल ही नहीं, आम के पत्ते भी बहुत काम के होते हैं। अक्सर शुभ कार्यों में इनका प्रयोग होता है। नए घर में जाना हो या किसी का विवाह हो, तो दरवाजे पर इनके पत्तों का वंदनवार, पूजा हो तो इनके पत्तों से ही जल छिड़काव। आम की गुठलियों को चूल्हे की राख में भूनकर खाया जाता है। औषधियों में भी इनका प्रयोग होता है।

मगर मुख्य सवाल अब यह है कि अपने प्राकृतिक रूप में आम कितने लोगों को हासिल हो पाता है। खासतौर पर वैसा आम, जो पेड़ पर ही पक जाए और किसी के सामने टपके!

पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन, ईरान-अमेरिका टकराव के बीच बदलती वैश्विक ताकत की नई कहानी

किसी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधन, समुद्री मार्ग, पर्वत, रेगिस्तान और सीमाएं यह तय करती हैं कि वहां की राजनीति, सुरक्षा नीति और कूटनीति किस दिशा में विकसित होगी। दक्षिण-पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्वी यूरोप और उत्तर-पूर्वी अफ्रीका तक विस्तारित मध्यपूर्व की कोई स्पष्ट और सर्वमान्य भौगोलिक सीमा नहीं है।

भौगोलिक जटिलताओं से प्रभावित इस क्षेत्र में इतिहास, धर्म और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों ने वैश्विक राजनीति को गहराई से प्रभावित किया है। ऊर्जा संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक समुद्री मार्गों की उपस्थिति और महाशक्तियों के परस्पर हितों के टकराव ने मध्यपूर्व की राजनीतिक परिस्थितियों को और जटिल बना दिया है। लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता, संघर्ष और हिंसा से जूझता हुआ मध्यपूर्व कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का सबसे संवेदनशील और निर्णायक केंद्र बना हुआ है।

मध्यपूर्व में शक्ति संतुलन कुछ प्रमुख महाशक्तियों के हितों और उनके साझेदार देशों के आसपास घूमता रहा है। इन देशों की ताकत सैन्य क्षमता, ऊर्जा संसाधनों, अर्थव्यवस्था, भू-राजनीतिक स्थिति और कूटनीतिक प्रभाव से तय होती है।

इस क्षेत्र में अमेरिका का प्रभाव पिछले कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय राजनीति का एक महत्त्वपूर्ण पहलू रहा है। विशाल तेल संसाधन और सामरिक भूगोल के कारण द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से ही अमेरिका ने इस क्षेत्र में अपनी कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य उपस्थिति को मजबूत किया है। अमेरिका ने क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए कई देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी विकसित की है।

मध्यपूर्व में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव क्षेत्रीय संकटों का एक प्रमुख कारण भी माना जाता है। अमेरिका ने अपने सामरिक, आर्थिक और राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए इस क्षेत्र की राजनीति में लगातार हस्तक्षेप किया है, जिससे स्थानीय शक्ति संतुलन प्रभावित हुआ है। अमेरिका की सक्रिय उपस्थिति ने एक ओर सुरक्षा और सहयोग का आधार मजबूत किया है, वहीं इसने क्षेत्रीय संकटों और राजनीतिक अस्थिरता को भी जन्म दिया है।

मध्यपूर्व में ईरान को अमेरिका का सबसे बड़ा क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। इसके पीछे ऐतिहासिक, वैचारिक और सामरिक कारण जुड़े हुए हैं। 1979 की धार्मिक क्रांति के बाद ईरान ने पश्चिमी प्रभाव और विशेष रूप से अमेरिका के प्रभुत्व का खुलकर विरोध किया।

अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को आशंका है कि यदि ईरान परमाणु हथियार क्षमता हासिल कर लेता है, तो मध्यपूर्व में शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसी कारण आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक दबाव और सैन्य तनाव की स्थिति बार-बार उत्पन्न होती रही है। इसका प्रभाव पूरे क्षेत्र की राजनीति, सुरक्षा व्यवस्था और शक्ति संतुलन पर पड़ता है, जिससे समय-समय पर नए संकट और तनाव पैदा होते रहते हैं। ईरान पर हुए हमलों के बाद मध्यपूर्व और वैश्विक राजनीति के सामने कई गंभीर चुनौतियां उभर कर सामने आई हैं। इस संकट के प्रभाव पूरे क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर पड़ सकते हैं। अगर यह संघर्ष लगातार बढ़ता है तो इसके दायरे में कई अन्य देश भी आ सकते हैं।

संघर्ष के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो रही है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। इस संघर्ष के कारण कई देशों को अपने रणनीतिक और आर्थिक पक्ष तय करने पड़ सकते हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नए ध्रुवीकरण की स्थिति बन सकती है।

युद्ध और सैन्य टकराव के कारण विस्थापन, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक तनाव बढ़ सकते हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में मानवीय स्थिति और गंभीर हो सकती है। ईरान पर हमलों के बाद स्थिति केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई है।

मध्यपूर्व की जटिल राजनीति में अमेरिका, रूस और चीन के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ईरान पर हुए हमलों के बाद यह प्रतिस्पर्धा और अधिक संवेदनशील हो गई है।

अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सक्रियता के बीच रूस और चीन भी क्षेत्र में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं। रूस पहले से ही सीरिया, लेबनान, सऊदी अरब जैसे क्षेत्रों में प्रभाव बनाए हुए है, जबकि चीन ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्गों के कारण मध्यपूर्व के साथ अपने संबंध लगातार मजबूत कर रहा है।

बदलती परिस्थितियों में अगर ईरान की सामरिक और राजनीतिक स्थिति कमजोर होती है, तो मध्यपूर्व में अमेरिका का प्रभाव और अधिक मजबूत हो सकता है। यह स्थिति रूस और चीन के लिए एक बड़ा रणनीतिक झटका मानी जाएगी।

रूस लंबे समय से पश्चिमी प्रभाव को संतुलित करने के लिए ईरान को एक महत्त्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखता रहा है, जबकि चीन ऊर्जा आपूर्ति, व्यापारिक मार्गों और क्षेत्रीय स्थिरता के कारण ईरान के साथ अपने संबंधों को महत्त्वपूर्ण मानता है।

इसी कारण रूस और चीन नहीं चाहते कि ईरान पूरी तरह से कमजोर पड़े या मध्यपूर्व में उसका प्रभाव समाप्त हो जाए। दोनों देश कूटनीतिक समर्थन, आर्थिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राजनीतिक संतुलन के माध्यम से ईरान को सहारा देने की कोशिश करते रहे हैं।

अमेरिका और इजराइल के भीषण हमलों के बीच और अयातुल्ला खामेनेई की मौत तथा कई महत्त्वपूर्ण सुरक्षा अधिकारियों के मारे जाने के बाद भी ईरान की संस्थाएं और सत्ता तंत्र बाहरी व्यवस्थाओं को बनाए रखने में न केवल कामयाब हुए हैं, बल्कि उन्होंने जबर्दस्त प्रतिकार भी किया है, जो अपूर्व है।

यदि ईरान में सत्ता परिवर्तन नहीं होता और वर्तमान धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था ही कायम रहती है, तो इस स्थिति में अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए सामरिक और आर्थिक चुनौतियां बढ़ सकती हैं। ईरान की क्षेत्रीय सक्रियता, समुद्री मार्गों पर उसका प्रभाव और ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी संभावित अस्थिरता अमेरिका तथा उसके साझेदारों के लिए आर्थिक और रणनीतिक संकट को भी बढ़ा सकती है। ऐसे में मध्यपूर्व में तनाव लंबे समय तक बना रह सकता है और वैश्विक राजनीति पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

अगर ईरान इस युद्ध या सैन्य टकराव से मजबूत होकर निकलता है, तो इसके क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव काफी व्यापक हो सकते हैं। सबसे पहले इसका असर मध्यपूर्व के शक्ति संतुलन पर पड़ेगा।

ईरान की मजबूत स्थिति से इजराइल और खाड़ी क्षेत्र के कई देशों की सुरक्षा चिंताएं बढ़ सकती हैं। इससे ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव में और अधिक विस्तार हो सकता है। इससे मध्यपूर्व में अमेरिका समर्थक और ईरान समर्थक ध्रुवों के बीच प्रतिस्पर्धा और तीव्र हो सकती है। इसका असर वैश्विक राजनीति पर दिखाई दे सकता है। ईरान का मजबूत होना अमेरिका की क्षेत्रीय रणनीति के लिए चुनौती बन सकता है। इससे अमेरिका के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश करने वाले रूस और चीन के साथ ईरान के संबंध और मजबूत हो सकते हैं।

इसका प्रभाव ऊर्जा राजनीति पर पड़ सकता है। मध्यपूर्व वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है, इसलिए ईरान की मजबूत स्थिति ऊर्जा बाजार और समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर भी प्रभाव डाल सकती है। जाहिर है, अमेरिका और इजराइल के ईरान के साथ संघर्ष के परिणाम वैश्विक शक्ति संतुलन और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर गहरा असर डाल सकते हैं।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका के वैश्विक हित दांव पर हैं। अमेरिका के साथ इस संघर्ष में नाटो का शामिल न होना, क्वाड देशों की चुप्पी और ब्रिक्स देशों की कूटनीति मध्यपूर्व में ईरान के मजबूत होने के संकेत हैं। पुतिन को इससे कूटनीतिक और आर्थिक लाभ हो रहे हैं, वहीं चीन के लिए अवसर

मानवता के बड़े हित में युद्धविराम के लिए विश्व नेताओं से अपील

नई दिल्ली (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नई दिल्ली। देश के जनसंपर्क समुदाय ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं से ईरान, इज़राइल, अमेरिका और मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध को तुरंत समाप्त करने की अपील की है। पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने संबंधित देशों को एक अपील में कहा है कि मानवता के बड़े हित में इस युद्ध को तुरंत समाप्त होना चाहिए।

डॉ. पाठक ने कहा, 'हमारे पारंपरिक भारतीय दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम' से प्रेरित होकर, हम आपसे मानवता के बड़े हित में तत्काल युद्धविराम पर विचार करने का आग्रह करते हैं।'

नुकसानः

मानव जीवन की अपूरणीय हानिः निर्दोष लोगों की मौत हो रही है, परिवार टूट रहे हैं, और भविष्य की पीढ़ियों को स्थायी आघात पहुंच रहा है।

महत्वपूर्ण संसाधनों की कमीः युद्ध में पेट्रोलियम जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों की कमी हो रही है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो रही है।

अपरिवर्तनीय पर्यावरण क्षरणः युद्ध में पर्यावरण को गंभीर और स्थायी नुकसान पहुंच रहा है।

राष्ट्रों के बीच विश्वास का क्षरणः युद्ध में राष्ट्रों के बीच विश्वास टूट रहा है, जिससे कूटनीति और शांति की संभावना कम हो रही है।

कार्रवाई का आह्वानः

तत्काल और स्थायी युद्धविराम

मूल कारणों को संबोधित करने वाली सकारात्मक वार्ता

विश्व नेताओं के बीच खुला और ईमानदार संवाद

डॉ. पाठक ने कहा, 'जनसंपर्क पेशेवर के रूप में, हम समझते हैं कि संवाद और कूटनीति स्थायी समाधान के लिए आवश्यक हैं।'

आयुर्वेद की कार्यकारिता को प्रचलित वैज्ञानिक मापदंडों पर प्रमाणित करना समय की माँग - डॉ जी एस तोमर

आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत द्वारा झंडु इमामी समूह के सौजन्य से 27 मार्च, 2026 को गोरखपुर में 'आयुर्वेद और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा के बीच सेतु निर्माण' (Bridging Ayurveda & Evidence - Based Medicine) विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें वर्तमान परिदृश्य में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता के दृष्टिगत वैश्विक पटल पर इसकी स्वीकार्यता के लिए समय परीक्षित इस शाश्वत चिकित्सा विधा को साक्ष्य आधारित बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा होगी। संगोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो.(डॉ.) गिरीन्द्र सिंह तोमर सम्बोधित करेंगे। अध्यक्षता आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ डी पी सिंह करेंगे। इस संगोष्ठी में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय एवं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चिकित्सकों के साथ-साथ गोरखपुर के ख्यातिलब्ध चिकित्सक प्रतिभाग करेंगे। डॉ तोमर ने बताया कि आयुर्वेद आज भारत की चारदीवारी से निकलकर वैश्विक क्षितिज पर स्थापित हो रहा है। इस स्थिति में इसकी उपादेयता को प्रचलित वैज्ञानिक मापदंडों पर प्रमाणित करना समय की माँग है।

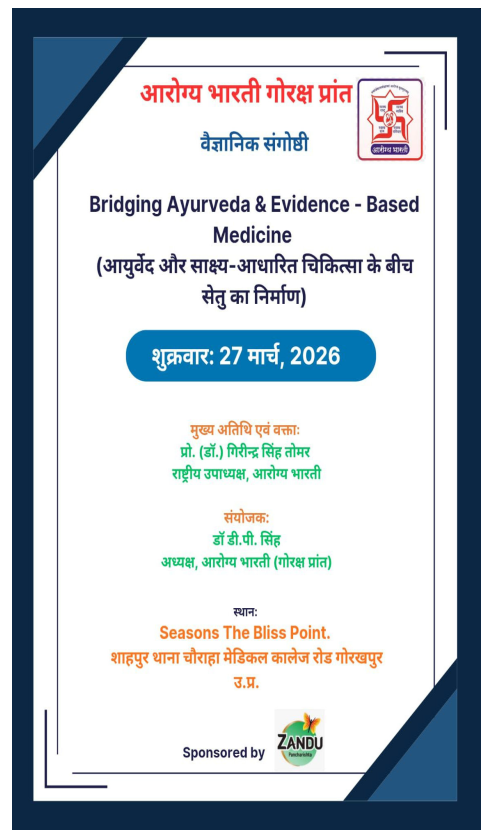

शहर का अपशिष्ट जल बिना शोधन नदी में छोड़ा जा रहा

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिकाओं पर दंडात्मक कार्रवाई का निर्णय होगा – मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल

मुंबई। शहर का बिना शोधन किया गया सांडपानी नदी के प्राकृतिक प्रवाह में छोड़े जाने के कारण कृषि के लिए प्रदूषित पानी मिल रहा है। इस मामले में पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिकाओं पर दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया जाएगा, यह जानकारी जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने विधान सभा में दी।

हवेली तालुका में नदी किनारे की कृषि को प्रदूषित पानी मिलने के संबंध में विधायक ज्ञानेश्वर कटके ने ध्यानाकर्षक सूचना प्रस्तुत की थी, जिस पर जल संसाधन (गोदावरी एवं कृष्णा बेसिन विकास निगम) मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने उत्तर दिया।

मंत्री विखे पाटिल ने कहा, 'बढ़ती जल खपत को नियंत्रित करना और अपशिष्ट जल शोधन क्षमता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। किसानों को कृषि के लिए पूर्णतः शुद्ध किया गया पानी उपलब्ध कराने के लिए कार्रवाई की जाएगी।'

उन्होंने बताया कि पुणे शहर में बड़े पैमाने पर सांडपानी उत्पन्न हो रहा है, जिसमें से 6.20 टीएमसी पानी का शोधन किया

जाता है, जबकि शेष सांडपानी सीधे मुला-मुठा नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी प्रदूषित हो रही है। नियमों के अनुसार सांडपानी को पूर्ण शोधन के बाद ही प्राकृतिक प्रवाह में छोड़ा जाना अनिवार्य है, अन्यथा दोगुना शुल्क और जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इस संदर्भ में महानगरपालिकाओं को निर्देश दिए जा रहे हैं।

साथ ही, पुणे महानगरपालिका की अपशिष्ट जल शोधन क्षमता बढ़ाने के लिए वर्तमान में 477 एमएलडी क्षमता के 9 शोधन संयंत्र कार्यरत हैं। इसके अलावा जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) की सहायता से नए संयंत्रों का निर्माण कार्य जारी है, जिनमें से कुछ परियोजनाएं वर्ष 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। नवसमाविष्ट गांवों में 'अमृत 2.0' योजना के अंतर्गत भी सांडपानी निस्तारण परियोजनाएं लागू की जा रही हैं।

मंत्री विखे पाटिल ने यह भी बताया कि उजनी और जयकवाड़ी जैसे बड़े बांधों तथा कुकड़ी जैसे छोटे बांधों से गाद निकालने के लिए राज्य स्तर पर नीति बनाई जाएगी और कुकड़ी बांध से गाद हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर से घंटा चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार, 18 घंटियां बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। औराई थाना पुलिस ने मंदिर से घंटा चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18 पीतल की घंटियां बरामद की हैं। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में की गई।

बताया गया कि 20-21 मार्च की रात उपरौठ स्थित पहलवान वीर बाबा मंदिर से घंटा चोरी की घटना हुई थी, जिसके संबंध में थाना औराई में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सर्वेश गिरी को हवाई पट्टी तिराहे से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने उसके पास से एक जूट के बोरे में 18 पीतल की छोटी-बड़ी घंटियां बरामद कीं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी प्रद्युम गिरी के साथ मिलकर मंदिर से करीब 30 घंटियां चोरी की थीं, जिनमें से कुछ उसके साथी के पास हैं। पुलिस अन्य आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक वीरबहादुर चौधरी सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

तहसीलों में फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

भदोही।जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की सभी तहसीलों में 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया। तहसील भदोही में पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में कुल 57 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामलों के लिए राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें बनाकर समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का निस्तारण पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए तथा केवल औपचारिकता न निभाई जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की संतुष्टि सर्वोपरि होनी चाहिए। तहसील औराई में 32 में से 6 तथा तहसील ज्ञानपुर में 23 में से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अन्य प्रकरणों को संबंधित विभागों को भेजते हुए शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जागरूकता कैंप भी लगाए गए, जिनमें आयुष्मान कार्ड, पेंशन, महिला कल्याण व अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई।

प्रदर्शनी व जागरूकता कार्यक्रम में जल संरक्षण पर दिया गया जोर

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विकास भवन स्थित डीपीआरसी सभागार में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'हर घर नल योजना' एवं जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा, जिसमें जल संरक्षण और स्वच्छ पेयजल पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, जनपदीय जल विश्लेषण प्रयोगशाला तथा उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा संयुक्त रूप से जल आपूर्ति योजनाओं, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन विस्तार से संबंधित जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि ने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। उन्होंने योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने पर जोर दिया। इस दौरान 'नवनिर्माण के संकल्प से सिद्धिः सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि' थीम पर आधारित जानकारी साझा करते हुए लोगों को जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता रही।

भरत अहलावत ने असली बर्फ की स्लैब पर शूट किया जेल सीन

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। ज़ी टीवी का पॉपुलर शो 'जाने अनजाने हम मिले', जिसमें भरत अहलावत (राघव) और आयुषी खुराना (रीत) लीड रोल में नजर आ रहे हैं, अब अपने आने वाले एपिसोड्स में एक बेहद मुश्किल और दमदार ट्रैक लेकर आ रहा है।

पूरा ड्रामा देखने के लिए देखिए 'जाने अनजाने हम मिले', हर दिन रात 10:30 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर!

जयरामपुर के नूरबाग में दो दिवसीय उर्स का भव्य समापन, अकीदतमंदों की उमड़ी भारी भीड़

मंत्र भारत संवाददाता

औराई, भदोही। क्षेत्र के जयरामपुर स्थित नूरबाग में दरगाह हजरत बाबा नूर आलम सहा का सालाना दो दिवसीय उर्स पूरे धार्मिक उल्लास, अकीदत और भाईचारे के साथ सकुशल संपन्न हो गया। उर्स के दूसरे दिन भी देर रात तक जायरीन की भारी भीड़ उमड़ती रही, जिससे पूरा क्षेत्र रौनक से भरा रहा।

उर्स के समापन अवसर पर अकीदतमंदों ने दरगाह पर हाजिरी लगाकर चादरपोशी की और अपनी-अपनी मुरादों के लिए दुआ मांगी। इस दौरान लोगों ने मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की कामना की। दूर-दराज से आए जायरीन की मौजूदगी ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया।

पूरे उर्स के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रही, जिसमें कुरानखानी, फातिहा और दुआओं का विशेष आयोजन किया गया। उर्स के मौके पर श्रद्धा और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला, जहां हर वर्ग और समुदाय के लोग एक साथ नजर आए।

उर्स के आयोजक सज्जादा एवं गद्दी नशीन सूफी शफीक अहमद शम्सी कादरी के नेतृत्व में आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। उनके साथ अबु बकर, मोइनुद्दीन, ताजुद्दीन, बशीर अहमद बख्तियार आलम आदि लोगों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई और व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग किया।

मेले/उर्स के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया, जिससे जायरीन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध कराई गईं। उर्स के सफल समापन के साथ ही क्षेत्र में खुशी और संतोष का माहौल देखने को मिला। यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस बार भी आपसी प्रेम, भाईचारे और आस्था का प्रतीक बनकर लोगों के दिलों में अपनी अमिट छाप छोड़ गया।

शहीद दिवस पर तिरंगा यात्रा निकाल वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मेरा युवा भारत, भदोही द्वारा शहीद दिवस के अवसर पर शहीद झूरी सिंह पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नागमलपुर से शहीद स्थल तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के उपरांत स्वतंत्रता सेनानी झूरी सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान, त्याग और बलिदान के बारे में जानकारी दी गई तथा राष्ट्रभक्ति के प्रति जागरूक किया गया।अतिथि रामेश्वर सिंह ने कहा कि शहीदों के बलिदान के कारण ही आज देश स्वतंत्र है और आजादी को बनाए रखना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। जिला युवा अधिकारी रामगोपाल सिंह चौहान ने युवाओं से भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राकेश पांडे, राकेश पाठक, शिवम राय, निधिश पांडे, आशीष कुमार, पंकज कुमार, अनुज पांडे सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

आरेडिका में अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव में नाटकों का मंचन, रेल कर्मियों ने दिखाई अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में 21.03.2026 से 25.03.2026 तक आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव का शुभारंभ रविवार, दिनांक 22.03.2026 को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र तथा उपनिदेशक राजभाषा, रेलवे बोर्ड सतविंदर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

उद्घाटन उपरांत आरेडिका सांस्कृतिक संगठन द्वारा आकर्षक स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई। नाट्योत्सव का प्रारंभ आरेडिका द्वारा प्रस्तुत नाटक 'परिणति' से हुआ, जिसने दर्शकों की भरपूर सराहना एवं तालियां प्राप्त कीं। इस नाटक के लेखक विश्वेश्वर प्रसाद एवं निर्देशक अंगद सिंह कुशवाहा थे। प्रमुख भूमिकाओं में विश्वेश्वर प्रसाद, साधना कुमारी, अरविंद कुमार ओझा, श्वेता ओझा, आदित्य प्रकाश, अंगद, भारतेंदु, साक्षी एवं विनायक शामिल रहे। नाटक में संगीत एवं ध्वनि संयोजन विवेकानंद एवं दीपक द्वारा तथा प्रकाश प्रभाव रजिंदर वर्मा एवं गिरीश द्वारा दिया गया, जबकि रूप सज्जा का कार्य सविता ने किया। प्रथम दिवस पर अन्य रेलवे द्वारा भी निम्न उत्कृष्ट नाट्य प्रस्तुतियां दी गईं, 'पहला गोल' (दक्षिण रेलवे), 'ऑक्टोपस' (बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी), 'फ्लाइंग रानी' (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे), 'द्रौपदी' (पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, गुवाहाटी), जिस लाहौर नहीं देख्या ओह जम्या नहीं' (बंटवारा)' (उत्तर रेलवे), 'अहिंसा की विजय' (दक्षिण पश्चिम रेलवे) सभी नाटकों ने अपनी प्रभावशाली एवं मार्मिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

नाट्योत्सव के दूसरे दिन पूर्वोत्तर रेलवे के कलाकारों द्वारा "प्रेसर", चितरंजन रेल इंजन कारखाना ने "कालान्तर", पूर्व रेलवे ने "महाभारत का गदा युद्ध," पूर्व तट रेलवे ने "मृग कस्तुरी," पश्चिम रेलवे ने "बताशा," दक्षिण पूर्व रेलवे ने " खून एक है," मध्य रेलवे ने "आधे -अधूरे", उत्तर पश्चिम रेलवे ने "राजा मोम्मी पसीना," आदि नाट्य प्रस्तुतियां कीं। कार्यक्रम में मंच संचालन आरेडिका के राजभाषा अधिकारी श्री राकेश रंजन द्वारा किया गया।

पीड़ित के खाते में धनराशि को कराया वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में हो रहे साइबर अपराध की रोकथाम हेतु अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा साईबर क्राइम पुलिस थाना/साईबर हेल्प डेस्क को किसी पीड़ित व्यक्ति के साथ हुए धोखाधड़ी या सोशल साइट के दुरुपयोग पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के क्रम में आवेदक कैलाश नाथ सिंह पुत्र पारस नाथ सिंह निवासी तुलसीचक थाना व जनपद भदोही ने चेन्नई से अपने निवास स्थान पर कुछ सामान कोरियर किया था जिसमें फ्राडस्टर द्वारा आवेदक को फोन करके बताया गया कि आपका पिन कोड सही नहीं है सही करने के लिए 10 रू का शुल्क लगेगा। जिसे पे करने के लिए फ्राडस्टर ने आवेदक के मोबाइल पर एक बार कोड भेजा जिस पर आवेदक फ्राडस्टर के बहकावें में आकर फोन पे कर दिया तत्पश्चात फ्राडस्टर ने आवेदक के खाते से 02 बार में कुल 55800 /- रू0 निकाल लिया जिसके सम्बन्ध में आवेदक द्वारा आनलाईन शिकायत दर्ज किया गया था। साइबर क्राईम थाना जनपद भदोही द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित के 55800 /- रू0की धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस कराया गया। पीड़ित ने खाते से गयी धनराशि को वापस पाकर पुलिस अधीक्षक भदोही व साइबर क्राईम थाना जनपद भदोही प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा की गयी।

नाली के अभाव में वार्ड नौ व दस के लोग परेशान बरसात में घरों तक पहुंचता गंदा पानी

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर के वार्ड संख्या 09 एवं 010 में जीटी रोड स्थित पाव बरगदा हनुमान मंदिर से स्टेशन रोड तक नाली न होने से स्थानीय लोगों को लंबे समय से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते हैं, जब सड़कों पर बहता गंदा पानी घरों तक पहुंच जाता है और जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो जाती है।

सड़क पर जमा पानी के कारण आवागमन बाधित होता है, वहीं गुजरते वाहनों से उछलते गंदे पानी के छींटों से राहगीरों को परेशानी होती है। कई बार इसको लेकर विवाद की स्थिति भी बन जाती है। इसी मार्ग पर स्थित एक विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी इससे प्रभावित होते हैं, जिनके कपड़े बारिश में खराब हो जाते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव से मकानों को भी नुकसान हो रहा है। पंडाव से स्टेशन रोड जाने वाले मार्ग पर शुक्ला बिल्डिंग की दीवार गिरने की घटना ने समस्या की गंभीरता को और उजागर कर दिया है।

इस संबंध में पूर्व सभासद अनीस अख्तर ने पालिका अध्यक्ष से मिलकर नाली निर्माण की मांग रखी है। पालिका अध्यक्ष ने जल्द ही नाली निर्माण कराने का आश्वासन दिया है, जिससे क्षेत्रवासियों को समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।

चैत्र नवरात्र पंचमी स्कंदमाता के स्वरुप मे दर्शन कर निहाल हुए भक्त

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। चैत्र नवरात्र पंचमी के दिन गोपीगंज नगर और ग्रामीण क्षेत्रों मे स्थित देवी मंदिरो मे भक्तो की कतार लगी रही ह मां दुर्गा का देवी स्कंदमाता के रुप मे दर्शन पूजन किया गया, दर्शन पूजन कर निहाल हुए भक्तो के जयकारे मंदिर पर गूंजायमान रहा।

सदर मोहाल स्थित नगर के प्रमुख सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर मे मां दुर्गा का श्रृंगार स्कंदमाता के रुप मे किया गया, मां के अलौकिक स्वरुप का दर्शन पूजन करने के स्नान ध्यान कर श्रद्धालुओ के मंदिर पहुचने का क्रम शुरु हुआ धीरे धीरे कतार लगती गई, मंगला आरती के उपरांत प्रातःकाल से शुरु हुआ दर्शन पूजन का क्रम लगातार जारी रहा।

सदर मोहाल स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर, चौरा माता मंदिर, बंबा देवी, काली माता मंदिर काली महाल के साथ गंगा तट पर विराजमान मां शीतला धाम डेरवा व शक्ति धाम तिलंगा मे भक्तो का सैलाब उमड़ पड़ा।मंदिर के पुजारी राजीव पंडा ने बताया कि सुबह शाम की आरती के साथ भजन, कीर्तन, प्रवचन के साथ आन लाइन दर्शन व प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

गटर और मैनहोल की सफाई के लिए रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल संभव

'जेनरोबोट' द्वारा सफाई कार्य का हुआ सफल परीक्षण

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर की ड्रेनेज व्यवस्था और मैनहोल की सफाई को अब और अधिक सुरक्षित और आधुनिक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। मैनहोल की सफाई के दौरान होने वाले हादसों को रोकने और स्वच्छता अभियान को गति देने के लिए भिवंडी मनपा अब रोबोटिक तकनीक का सहारा ले सकता है।

इसी सिलसिले में सोमवार को केरल की 'जेनरोबोट' कंपनी द्वारा अशोक नगर इलाके में एक विशेष डेमो दिया गया। मैनहोल काफी गहरे होते हैं, जहाँ इंसानों द्वारा सफाई करना न केवल कठिन है बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकता है। यह रोबोटिक प्रणाली मुख्य सड़कों के साथ-साथ शहर की संकरी गलियों में स्थित मैनहोल की सफाई करने में भी सक्षम है। कंपनी के प्रतिनिधियों के अनुसार, इस अत्याधुनिक जेनरोबोट सिस्टम की कीमत लगभग 1 करोड़ 9 लाख रुपये है।

इस रोबोटिक मशीन का परीक्षण देखने के लिए महापौर नारायण चौधरी, पार्षद एडवोकेट वैभव भोईर, फराज बाहुद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उपायुक्त विक्रम दराडे और स्वच्छता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

> 'मैनहोल की गहराई के कारण वहां सफाई के लिए मानव शक्ति का उपयोग करना जोखिम भरा होता है। जीवन हानि की संभावना को टालने के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता है। हमने इसका डेमो देखा है और अब प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर इसे खरीदने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।'
>
> **नारायण चौधरी**
> **महापौर**
> **भिवंडी मनपा**

भिवंडी में घर में घुसकर चोरी, नकदी व जेवर सहित 25 हजार का माल ले उड़े चोर

भिवंडी। भिवंडी शहर के कशेली इलाके में अज्ञात चोर द्वारा घर में घुसकर चोरी करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भिवंडी के कशेली इलाके के हरिओम नगर के रिद्धि सिद्धि कॉम्पलेक्स में आरती महेश प्रजापती (28) अपने परिवार के साथ रहती हैं। 21 मार्च 2026 की मध्यरात्रि करीब 1:30 बजे से सुबह 10:00 बजे के बीच अज्ञात चोर ने घर की खुली खिड़की से अंदर प्रवेश कर मोबाइल फोन, चांदी की चैन और नकद रकम सहित कुल 25,500 रुपये का माल चोरी कर लिया और फरार हो गए।पीड़िता को घटना की जानकारी सुबह होने पर मिली, जिसके बाद उन्होंने तुरंत नारपोली पुलिस स्टेशन जाकर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कराया है।स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर चिंता जताई है और पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर बुजुर्ग महिला से 4.13 लाख रुपये की ठगी,कई पर केस दर्ज

भिवंडी। भिवंडी शहर में ऑनलाइन निवेश के नाम पर एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला से लाखों रुपये की ठगी किए जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।इस मामले में पुलिस ने एक कंपनी के कई अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी तालुका के कशेली इलाके में रहने वाली शशिकला रंगाराव सत्य दुग्गीराला (70) ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश किया था। यह निवेश 'स्मार्टपंडल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (विजोंगो)' से जुड़ा बताया गया है।पुलिस ने बताया कि कंपनी से जुड़े निदेशक, सीईओ, सीएफओ समेत अन्य अधिकारियों ने आपस में मिलकर कथित रूप से निवेशकों का विश्वास जीता और उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया और शशिकला से कुल 4,13,786 रुपये की राशि का निवेश करवाया और उसे तय समय पर मुनाफे सहित लौटाने का आश्वासन भी दिया गया था।हालांकि, आरोप है कि कंपनी ने यह रकम न तो वापस की और न ही एस्क्रो खाते में जमा कराई, जिससे पीड़िता समेत अन्य निवेशकों को आर्थिक नुकसान हुआ। यह घटना 10 अक्टूबर 2024 से लेकर अब तक की अवधि में घटित हुई बताई जा रही है।इस मामले में नारपोली पुलिस ने बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है।मामले की जांच कर रहे सहायक पुलिस निरीक्षक बनराज केदार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने जनता से अपील की है कि ऑनलाइन निवेश करते समय पूरी जानकारी और सत्यापन के बाद ही कोई निर्णय लें, ताकि इस तरह की धोखाधड़ी से बचा जा सके।

भिवंडी की कंपनी का लॉकर तोड़कर 1.20 लाख रुपये ले उड़े बदमाश

भिवंडी। भिवंडी के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कंपनी में घुसकर अज्ञात चोरों ने कम्पनी का लॉकर तोड़कर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है।लेकिन इस वारदात ने एमआईडीसी क्षेत्र बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के मानसरोवर इलाके में रहने वाले उत्तम परसराम पुरी (43) ने कोनगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया है कि 20 मार्च 2026 की सुबह करीब 5:00 से 6:00 बजे के बीच चोरी यह घटना घटी। चोरों ने 'कंटीन्यूरी प्रिंटर्स प्रा. लि.' कंपनी को निशाना बनाया।उन्होंने बताया है कि दो अज्ञात बदमाश कंपनी के पिछले हिस्से से इमरजेंसी एग्जिट सीढ़ियों के जरिए दूसरी मंजिल तक पहुंचे। वहां खिड़की की ग्रिल तोड़कर अंदर घुसे और डायरेक्टर के केबिन का ताला तोड़ दिया। इसके बाद लॉकर में रखी करीब 1,20,000 रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए।पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक दिलीप डुमणे कर रहे हैं।इस घटना के बाद स्थानीय उद्योगपतियों में चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की सख्त जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

भिवंडी में तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर, दो युवक घायल; चालक मौके से फरार

भिवंडी। भिवंडी शहर के अंजुरफाटा इलाके में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। नारपोली पुलिस स्टेशन में इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता संजय बालाजी रोकड़े (28), निवासी ब्रह्मानंदनगर 21 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3:45 बजे अपनी एक्टिवा स्कूटर से अंजुरफाटा स्थित सोरम कंपनी के पास से गुजर रहे थे। उनके साथ पीछे अंगदकुमार पटेल भी बैठे थे।इसी दौरान सिद्धीनाथ कंपाउंड की ओर से तेज गति से आ रही बोलेरो पिकअप (एमएच 04 एलवाई 1694) के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि संजय रोकड़े के दाहिने हाथ की कलाई में फ्रैक्चर हो गया और सिर में गंभीर चोट आई। वहीं, पीछे बैठे अंगदकुमार पटेल के दाहिने पैर में चोट लगी।हादसे के बाद आरोपी चालक बिना किसी प्रकार की मदद किए और पुलिस को सूचना दिए बिना मौके से फरार हो गया।घटना के बाद घायल युवकों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच पुलिस अधिकारी चौधरी कर रहे हैं।

भिवंडी मनपा मुख्यालय में सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन; नागरिकों में जागरूकता लाने का प्रयास

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।महाराष्ट्र सरकार द्वारा आम नागरिकों के कल्याण और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न जनहितकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से, ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय के मार्गदर्शन में भिवंडी महानगर पालिका मुख्यालय के भूतल पर एक विशेष सूचनात्मक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।जिसका उद्देश्य है कि नागरिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें स्वावलंबी और उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करना।

महापौर नारायण चौधरी ने विशेष रूप से 'पिंक रिक्शा' योजना पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की कामकाजी और जरूरतमंद महिलाओं तक इस योजना की जानकारी पहुँचाने के लिए मुख्य रिक्शा स्टैंडों पर बड़े बैनर लगाए जाएं।

महापौर ने पालिका अधिकारियों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने को कहा कि इन योजनाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से कैसे पहुंचाया जा सकता है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते समय महापौर नारायण चौधरी ने अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके और उपायुक्त सपना वसावा के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नगर निगम स्तर पर महिलाओं को स्वरोजगार के लिए क्या अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है, इसका खाका तैयार किया जाए। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले और जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

खिड़की तोड़ घुसे चोर 1.20 लाख लेकर फरार

कंपनी के दफ्तर में सनसनीखेज चोरी

सुबह के समय वारदात को दिया अंजाम

भिवंडी। भिवंडी के कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र में एक कंपनी के दफ्तर में दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज में चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने खिड़की की ग्रिल तोड़कर दफ्तर में घुसकर लॉकर में रखी नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना से औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 20 मार्च 2026 की सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच भूमिवर्ल्ड परिसर स्थित बी-2 बिल्डिंग में संचालित 'कंटीन्यूटी प्रिंटर्स प्रा. लि.' कंपनी में हुई। शिकायतकर्ता उत्तम परसराम पुरी (43) ने कोनगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। शिकायत में बताया गया है कि दो अज्ञात चोर कंपनी के पीछे की ओर बने एमएससी एक्जिट जिने के रास्ते दूसरी मंजिल पर पहुंचे। वहां उन्होंने खिड़की की ग्रिल तोड़ी और अंदर प्रवेश किया। इसके बाद आरोपियों ने कंपनी के डायरेक्टर के केबिन का दरवाजा तोड़कर भीतर रखे लॉकर को निशाना बनाया। चोरों ने लॉकर में रखी करीब 1 लाख 20 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली और मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद जब कंपनी कर्मचारियों को इसकी जानकारी हुई, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। कोनगांव पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश में जुटी है। इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार बढ़ती चोरी की वारदातों से व्यापारी वर्ग में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

भिवंडी मनपा में शहीद दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अभिवादन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका मुख्यालय में सोमवार को शहीद दिवस के अवसर पर देश के महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित कर अभिवादन किया गया। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम में मनपा मुख्यालय के तलमजल पर महापौर नारायण रतन चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके और उपायुक्त सपना वसावा के हस्ते क्रांतिकारियों की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कार्यकारी अभियंता संदीप पाटनावर, पर्यावरण विभाग प्रमुख सुनील भोईर, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, विशेष कार्य अधिकारी अजित महाडीक, जनगणना विभाग प्रमुख माणिक जाधव, उद्यान विभाग प्रमुख निलेश संखे, वाहन विभाग प्रमुख प्रशांत संखे तथा आस्थापना विभाग प्रमुख दीपीका ठाकरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रदर्शनी स्टॉल का भी महापौर और अतिरिक्त आयुक्त ने निरीक्षण किया। शहीद दिवस के इस आयोजन के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

आरटीई 25% प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 मार्च तक बढ़ी

भिवंडी मनपा की अपील, वंचित व कमजोर वर्ग के अभिभावक उठाएं लाभ

भिवंडी।भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका ने वर्ष 2026-27 के लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत 25 प्रतिशत आरक्षित प्रवेश प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मार्च 2026 तक बढ़ा दी है। मनपा प्रशासन ने पात्र अभिभावकों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है।

प्रशासन द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 12(सी)(1) के अंतर्गत वंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को निजी गैर-अनुदानित, स्व-वित्त पोषित, पुलिस कल्याणकारी तथा महानगरपालिका की स्व-वित्त पोषित स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जा रही है।

मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। पहले स्कूल चयन के लिए 1 किलोमीटर की दूरी की अनिवार्यता थी, जिसे अब शिथिल कर दिया गया है। अब अभिभावक 3 से 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्कूलों का चयन कर सकते हैं।

प्रशासन ने बताया कि अभिभावक अपने आवेदन में संशोधन कर सकते हैं या नए आवेदन भी 25 मार्च तक भर सकते हैं। इसके लिए राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा।

इस योजना का लाभ अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), एनटी, वीजे, ओबीसी, एसबीसी वर्ग के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (वार्षिक आय 1 लाख रुपये से कम) और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले बच्चों को मिलेगा।

मनपा प्रशासनाधिकारी सौदागर शिखरे ने अधिक से अधिक पात्र अभिभावकों से अपने बच्चों का पंजीकरण कर इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

भिवंडी में एक ही दिन दो नाबालिक से हैवानियत

2 आरोपी गिरफ्तार, पांच दिनों की पुलिस हिरासत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के दो अलग-अलग पुलिस स्टेशन में नाबालिक लड़की से यौन अत्याचार के दो मामले दर्ज हुए है। इस प्रकरण में पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हें भिवंडी न्यायालय ने 5 दिन की पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है।

पुलिस के अनुसार शांतिनगर पुलिस स्टेशन की सीमा अंतर्गत शांतिनगर स्लम एरिया में 15 फरवरी के रोज एक 15 वर्षीय नाबालिक से यौन शोषण की घटना सामने आई है।इसी इलाके का रहने वाला अमजद बालवन (24) ने एक 15 वर्ष 9 महीने की लड़की को वही पास के सैलून के पीछे एक कमरे में ले गया और उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। युवक के इस कृत्य के बाद पीड़िता ने उससे बोलचाल बंद कर दिया। जिसके कारण उक्त युवक ने पीड़िता को धमकी दिया कि वह उसके घर वालों को फोन करेगा और इंस्टाग्राम पर उसकी बदनामी भी करेगा। जिसके बाद पीड़िता ने 22 मार्च के रोज शांतिनगर पुलिस स्टेशन पहुंच कर अपने साथ अत्याचार करने वाले आरोपी अमजद बालवन के खिलाफ गुनाह रजिस्टर नंबर 210/2026 में 75, 64 व पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 8, 12 के तहत मामला दर्ज कर उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय ने 27 मार्च तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है।

दूसरी घटना भोईवाड़ा पुलिस थाने अंतर्गत घटित हुई है जहां एक सोसायटी के 58 वर्षीय वॉचमैन ने उसी अपार्टमेंट की एक 10 वर्ष 3 महीने की नाबालिक लड़की को अपने रूम में ले जाकर उसके साथ यौन अत्याचार जैसा कृत्य किया है। पीड़ित की मां की शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने वॉचमैन शाहिद इद्रीस मोमिन के खिलाफ बीएनएस की धारा 64, 74 व पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 8, 12 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

'स्मार्टफील्ड टेक्नोलॉजी' के डायरेक्टर समेत 8 पर केस

भिवंडी में 4.13 लाख की ठगी का बड़ा खुलासा

निवेश के नाम पर रचा गया जाल, रिटर्न का झांसा देकर महिला से ठगे लाखों रुपये

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के नारपोली थाना क्षेत्र में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने 'स्मार्टफील्ड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड' (विसोनी) से जुड़े डायरेक्टर और अधिकारियों समेत कुल 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता शशिकला रंगनाव सत्य दुर्गीलाल (70), निवासी कशेली रोड, भिवंडी ने शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपियों ने उन्हें ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश करने का झांसा दिया।

शिकायत में बताया गया है कि कंपनी से जुड़े संचालक सचिन अग्रवाल, पूर्व संचालक सौविक सेनगुप्ता, मुख्य वित्तीय अधिकारी गौरव सिंघानिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रह्लाद कृष्णमूर्ति, एक्सेल पार्टनर्स इंडिया के सीईओ पल्हाद कृष्णमूर्ति,अमित झुनझुनवाला, डायरेक्टर अंकित तोमर, मुख्य व्यवसाय अधिकारी गुलशन कौशिक और वरिष्ठ प्रबंधक जाह्नवी पावसकर ने मिलकर साजिश रची। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर पीड़िता को बेहतर रिटर्न का लालच देकर अलग-अलग किश्तों में कुल 4 लाख 13 हजार 786 रुपये का निवेश करवाया। शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए कुछ मुनाफा दिखाया गया, लेकिन बाद में पूरी रकम वापस करने से इनकार कर दिया गया।जब पीड़िता को धोखाधड़ी का एहसास हुआ, तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद नारपोली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5), 318(2) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुट गई है और मामले की गहन जांच की जा रही है। इस घटना ने ऑनलाइन निवेश के नाम पर हो रही ठगी के बढ़ते मामलों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए है।

पीएसएल की बढ़ी मुश्किलें, अनुबंधों के उल्लंघन के बीच खिलाड़ियों ने रखी अपनी मांग

कराची **(एजेंसी)**। विदेशी खिलाड़ियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बावजूद नाम वापस लेने के कारण दो नई टीमों के साथ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी करना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लॉजिस्टिक्स (आयोजन संबंधी) और अनुबंध संबंधी परेशानियों का सबब बनता जा रहा है। विदेशी खिलाड़ी अधिक आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करार मिलने के बाद पीएसएल को छोड़ रहे हैं। दो नई फ्रेंचाइजी को शामिल करने के साथ विस्तारित पीएसएल बृहस्पतिवार को लाहौर में शुरू होने वाली है।

यह आईपीएल के 28 मार्च को शुरू होने से दो दिन पहले है। इस तरह इन दोनों लीगों का आयोजन एक साथ होगा। पीएसएल तीन मई तक चलेगा, जबकि आईपीएल का पूरा कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन यह मई के अंतिम या जून के शुरुआती सप्ताह तक चल सकता है। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार पीसीबी न केवल खिलाड़ियों द्वारा अनुबंधों के उल्लंघन से जूझ रहा है, बल्कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कुछ खिलाड़ियों द्वारा अंतिम समय में फीस बढ़ाने की मांग से भी परेशान है।

सूत्र ने बताया, 'पीसीबी इस समय पीएसएल को निर्धारित समय पर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उसने अभी तक नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कोई कार्रवाई तय नहीं की है।' नाम वापस लेने वाले खिलाड़ियों पर दो से चार साल तक का प्रतिबंध लगाने के बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, लेकिन चिंता बनी हुई है कि ऐसे उपाय भविष्य में शीर्ष विदेशी प्रतिभाओं को पीएसएल फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंध करने से और भी हतोत्साहित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे में एक तर्क यह भी है कि प्रतिबंधों से पीएसएल के आगामी सत्रों के लिए बड़े विदेशी खिलाड़ियों से करार करना और भी मुश्किल हो जाएगा।'

सूत्र ने स्वीकार किया कि दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कई खिलाड़ी चोट से जूझ रहे आईपीएल में काफी अधिक वेतन पैकेज दिए जा रहे हैं, जबकि पीएसएल फ्रेंचाइजी उन वेतन पैकेजों का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। पीसीबी ने पिछले साल अनुबंध उल्लंघन के लिए दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी और उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया था। यह कदम हालांकि प्रभावी साबित नहीं हुआ, क्योंकि बॉश ने पीएसएल खिलाड़ी ड्राफ्ट में शामिल होने से पहले ही अगली नीलामी में आईपीएल अनुबंध हासिल कर लिया।

पीसीबी द्वारा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अन्य सदस्यों के समक्ष भी उठाने की उम्मीद है, ताकि एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा सके, जो यह सुनिश्चित करे कि खिलाड़ी किसी लीग में शामिल होने के बाद अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों का पालन करें।

दिल्ली कैपिटल्स फैंस के लिए खुशखबरी

बड़े विदेशी प्लेयर को जल्द मिल सकती है आईपीएल 2026 में खेलने की अनुमति

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव और मुख्य कोच हेमांग बदानी ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपने तेज गेंदबाज की उपलब्धता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। बदानी ने कहा, 'हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें वह मिल जाएगा, हमें पता चल जाएगा कि वह कब टीम में शामिल होंगे।'

उन्होंने एनओसी मिलने में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ लगातार संपर्क में हैं। वह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, उन्होंने कुछ दिन पहले भी गेंदबाजी की थी। जब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उन्हें खेलने के लिए फिट घोषित नहीं कर देता, तब तक कोई फ्रेंचाइजी कुछ नहीं कर सकती।' उनके बगल में बैठे राव ने आगे कहा, 'वह आ रहे हैं, बस क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का सवाल है। वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की निगरानी में हैं। हम भी उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं।'

राव और बदानी के साथ बैठे अक्षर से पूछा गया कि अगर स्टार्क एक अप्रैल को लखनऊ में खेले जाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए नहीं पहुंचते हैं, तो क्या वह टी. नटराजन को उनकी जगह खिलाने के लिए तैयार हैं। अक्षर ने कहा, 'इस समय इसका जवाब देना मुश्किल है। अगर स्टार्क को एनओसी मिल जाती है, तो वह शुरुआती मैच से पहले भी आ सकते हैं। हम उस जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। अगर वह नहीं आते हैं, तो जरूरी नहीं है कि हम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जगह दूसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को ही टीम में शामिल करें।'

उन्होंने कहा, 'यह टीम संयोजन का मामला है। नटराजन हालांकि बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और पूरी तरह फिट हैं।' नटराजन कंधे की चोट के कारण पिछले सत्र में सिर्फ दो मैच खेल पाए थे।

नामीबिया ने ओमान और स्कॉटलैंड के खिलाफ विश्व कप लीग 2 ट्राई-सीरीज के लिए चुना कप्तान

विंडहोक **(एजेंसी)**। नामीबिया ने अगले महीने यहां ओमान और स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाली आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 ट्राई-सीरीज के लिए ऑलराउंडर जेजे स्मिट को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। तीनों टीमें चल रही लीग 2 प्रतियोगिता के हिस्से के तौर पर दो अप्रैल से कुल छह मैच खेलेंगी।

इस टूर्नामेंट के आखिर में शीर्ष चार टीमों को अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के मुख्य क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में जगह मिलेगी। नामीबिया अभी लीग 2 की स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है और शीर्ष चार टीमों की दौड़ में बने रहने के लिए उसे घरेलू मैदान पर कुछ अच्छे नतीजों की जरूरत होगी।

स्मिट विंडहोक में होने वाली ट्राई-सीरीज में जेजे स्मिट कप्तान की भूमिका निभाएंगे। नामीबिया ने 15 सदस्यीय टीम में विलियम लॉटरिंग और ज़ैचियो जानसेन वैन वुरेन जैसे नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। इस टीम में कई ऐसे स्टार खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में हिस्सा लिया था। इस सीरीज में नामीबिया का पहला मैच 4 अप्रैल को ओमान के खिलाफ होगा।

नामीबिया की टीम : जेजे स्मिट (कप्तान), गेरहार्ड इरास्मस, मैक्स हिंगो, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, जान फ्राइलिनक, डिलन लीचर, विलियम लॉटरिंग, जैचियो जानसेन वैन वुरेन, मालन क्रूगर, बेन शिकोंगो, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, जेन ग्रीन, डब्ल्यूपी माईबर्ग और लॉरेन स्टीनकैंप।

हार्दिक, सुखजीत, संजय, अभिषेक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह और अभिषेक और डिफेंडर संजय इस साल हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में हैं। महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया को नामांकन मिला है।

यहां शुक्रवार को होने वाले हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में उदीयमान खिलाड़ी (अंडर 21) का जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा पुरस्कार भी दिया जाएगा। अंतिम नामांकन में आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को चुना गया है। इसके साथ ही हॉकी में अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिए अध्यक्ष का पुरस्कार भी दिया जाएगा।

अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर /अंपायर मैनेजर का पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार भी दिया जाएगा। इसके साथ ही एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली जूनियर पुरूष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा।

हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'भारतीय हॉकी के लिए यह अहम साल है और ऐसे में असाधारण प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और पिछले एक साल में अपना योगदान देने वालों को सम्मानित करना महत्वपूर्ण है।'

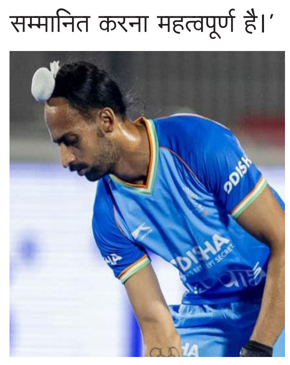

वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग, बाजार में हाहाकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मध्य-पूर्व में तनाव कम होने के बजाय और अधिक गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है कि यदि 'स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़' नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ढांचे को तबाह कर दिया जाएगा। जवाब में तेहरान ने भी अपने बिजली संयंत्रों पर हमले की स्थिति में जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद करने की चेतावनी दी है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तनाव तब और बढ़ गया जब यह खबर आई कि ईरान ने हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया (अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य अड्डा) पर 2, 500 मील की मारक क्षमता वाली दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस घटना ने युद्ध के और अधिक फैलने की आशंका को पुख्ता कर दिया है।

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 93.8925 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुँच गया है। युद्ध की शुरुआत के बाद से घरेलू मुद्रा में लगभग 3इ की गिरावट आ चुकी है। कमजोर रुपया विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को बिकवाली के लिए उकसाता है और देश में आयातित महंगाई को बढ़ाता है।

ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 80इ आयात करता है, ऐसे में कच्चा तेल महंगा होने का सीधा असर राजकोषीय घाटे और चालू खाता घाटे पर पड़ता है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के डॉ. वी.के. विजयकुमार का कहना है कि युद्ध कब समाप्त होगा, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। अनिश्चितता के इस माहौल में निवेशक सुरक्षित ठिकानों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे इक्विटी मार्केट से पैसा बाहर निकल रहा है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड, टी20 विश्व कप में बनाए थे सबसे ज्यादा रन

दुबई **(एजेंसी)**। आईसीसी ने फरवरी महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। पिछले महीने यानी फरवरी के लिए ये खिताब पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने जीता। हाल ही में खत्म हुए 2026 टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान टीम की तरफ से साहिबजादा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

बता दें कि, साहिबजादा टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने टूर्नामेंट के 7 मैचों की 6 पारियों में 76.60 की औसत और 160.25 के स्ट्राइक रेट से 383 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकले। इसके साथ पाक बल्लेबाज ने टी20 वर्ल्ड कप के एक एड़ीशन में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पछाड़ा था।

ये साहिबजादा फरहान का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड है। बताते चलें कि इससे पहले किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी ने नवंबर 2024 में ये अवॉर्ड अपने नाम किया था। उस वक्त ये खिताब पाक तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपने नाम किया था।

वहीं ये पुरस्कार जीतने के बाद साहिबजादा फरहान ने कहा कि, ये पुरस्कार जीतना एक अविश्वसनीय एहसास है, खासकर वर्ल्ड कप के मंच पर किए गए प्रदर्शन के लिए जहां दुनिया भर के फैंस हर पल को देख रहे हैं।

घरेलू हवाई किराया अब 'आजाद'! सरकार ने हटाई ऊपरी सीमा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में घरेलू उड़ानों के किराए पर लगी अस्थायी सीमा को हटाने का आदेश दिया है। यह आदेश 23 मार्च, 2026 से प्रभावी हो गया है। दिसंबर 2025 में इंडिगो की उड़ानों में आई तकनीकी दिक्कतों और उसके बाद बढ़ते किराए को नियंत्रित करने के लिए ये सीमाएं लगाई गई थीं। अब करीब तीन महीने बाद, सरकार ने बाजार को फिर से 'डायनामिक प्राइसिंग' के हवाले कर दिया है। आदेश में, मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बरतना होगा और ज़िम्मेदारी से काम करना होगा। इसमें कहा गया है, 'एयरलाइंस यह सुनिश्चित करेंगी कि किराया उचित, पारदर्शी और बाज़ार की स्थितियों के अनुरूप हो, और यात्रियों के हितों पर कोई बुरा असर न पड़े।'

इस कदम से यात्रियों पर सीधा असर पड़ने की उम्मीद है, और हवाई किराए की सीमा हटने से हवाई किराया महंगा होने की संभावना है। बढ़ती लागत से जूझ रही एयरलाइंस अब मांग और आपूर्ति के आधार पर किराए को अपनी मर्ज़ी से तय कर सकती हैं। इसका मतलब है कि छुट्टियों, त्योहारों और आखिरी समय की बुकिंग के दौरान उड़ानों की कीमतों में काफ़ी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालाँकि, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि इससे कम भीड़भाड़ वाले समय में किराया कम भी हो सकता है।

इस कदम से अब एयरलाइंस को अपनी कमाई बढ़ाने के लिए 'डायनामिक प्राइसिंग' (मांग के हिसाब से कीमत तय करना) का इस्तेमाल करने की आज़ादी मिलेगी। इससे उन्हें मुश्किल समय में हुए नुकसान की भरपाई करने में भी मदद मिलेगी।

हालाँकि, मंत्रालय ने साफ़ तौर पर कहा है कि वह हवाई किराए के रुझानों पर लगातार नज़र रख रहा है और एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बरतना होगा और ज़िम्मेदारी से काम करना होगा। उसने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि किराए में किसी भी तरह की अत्यधिक या बेवजह बढ़ोतरी, खासकर ज़्यादा मांग वाले समय, किसी रुकावट या आपात स्थिति के दौरान, अगर देखी गई, तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा। इसमें कहा गया है, 'एयरलाइंस यह सुनिश्चित करेंगी कि किराया उचित, पारदर्शी और बाज़ार की स्थितियों के अनुरूप हो, और यात्रियों के हितों पर कोई बुरा असर न पड़े।'

बुलियन मार्केट में हाहाकार! सोने ने गंवाई साल भर की सारी बढ़त, चांदी भी 15, 000 रुपये टूटी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई और यह इस साल की सारी बढ़त गंवाने के करीब पहुंच गया, क्योंकि मध्य पूर्व में युद्ध चौथे हफ़्ते में प्रवेश कर गया है और अमेरिका तथा ईरान ने एक-दूसरे को नए हमलों की धमकियां दी हैं। बुलियन की कीमतों में 3.8इ तक की भारी गिरावट आई और यह त्र4, 320.30 प्रति औंस के करीब पहुंच गया- जो पिछले साल के बंद भाव से एक डॉलर से भी कम ज़्यादा है। जब से यह संघर्ष शुरू हुआ है, तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई के जोखिमों को बढ़ा दिया है और ळए फेडरल रिज़र्व तथा अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को कम कर दिया है। यह बिना किसी रिटर्न वाले सोने के लिए एक बड़ी बाधा है; सोने की कीमतों में लगातार आठ सत्रों से गिरावट आ रही है और इसने अभी-अभी 1983 के बाद से अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है।

सोने की कीमतों में आई यह उतार-चढ़ाव भरी शुरुआत व्यापक बाज़ार के रुझान को ही दर्शाती है, जहां कच्चे तेल की कीमतों में शुरुआती मामूली बढ़त के बाद गिरावट आई और शेयर बाज़ार भी अस्थिर रहे। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद के तीन हफ़्तों में, बुलियन की कीमतों में आई गिरावट का एक मुख्य कारण निवेशकों द्वारा की गई 'मजबूरी में बिकवाली' रही है, क्योंकि वे अपने पोर्टफोलियो के अन्य हिस्सों में हुए नुकसान की भरपाई करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल के अंत में इस धातु की कीमत त्र4, 319.37 प्रति औंस थी।

शिल्पा शेट्टी ने समोसे को बताया 'त्रिमुखी फल', फायदे गिनाकर पूछा- 'एक और खालू?' मजेदार वीडियो वायरल

वैसे तो शिल्पा शेट्टी फिटनेस के मामले में सख्त रूटीन फॉलो करती हैं। खूब एक्सरसाइज और बैलेंस्ड डाइट लेती है। लेकिन कभी-कभार वह अपना मनपसंद खाना खाकर मजा भी करती हैं। आज शिल्पा ने अपना एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो उनके फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं। रविवार को अपने चीट डे के मौके पर शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया, जिसमें वह लजीज समोसों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अलग-अलग तरह की चटनियों के साथ-साथ जलेबी का भी मजा लेती दिखाई देती हैं। उनका यह क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

इस वीडियो के बैकग्राउंड में मजाकिया आवाज में सुनाई दे रही है, जिसमें समोसे को 'त्रिमुखी फल' कहा जा रहा है। आवाज में कहा गया, 'यह फल पूरे साल मिलता है और दिन में कभी भी खाया जा सकता है। इसे खाने वाले को तीनों लोकों में सुख मिलता है। और इसे खिलाने वाले को तीनों लोकों में जीत मिलती है। समोसे को इमली की मीठी चटनी, हरी चटनी या टमाटर की चटनी के साथ खा सकते हैं। और अगर जलेबी के साथ खाओगे तो तीनों लोकों में ताकत मिलेगी।' शिल्पा शेट्टी ने इस फनी वीडियो में को इंस्टा पर शेयर किया है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्रमांकः एचओ/610/आरएमएच/दिनांक 23/03/2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु विज्ञापन

विषयः सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत जी/दक्षिण वार्ड में 'डी' श्रेणी के बहुउद्देश्यीय कर्मचारियों के रिक्त पदों को संविदा आधार पर भरने के संबंध में।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत जी/दक्षिण वार्ड के डिस्पेंसरी, कार्यालयों एवं श्मशान गृहों में 'डी' श्रेणी के रिक्त पदों को संविदा आधार पर स्वैच्छिक संस्थाओं (बचत समूहों को छोड़कर) के माध्यम से भरने हेतु, केवल वही संस्थाएं आवेदन करें जिनके पास बृहन्मुंबई महानगरपालिका के डिस्पेंसरी एवं कार्यालयों में संविदा आधार पर बहुउद्देश्यीय कर्मचारियों की उपलब्धता कराने का कम से कम 1 वर्ष का अनुभव हो।

रुचि रखने वाली संस्थाएं जैसे कि श्रमिक सहकारी समितियां (जो भविष्य निधि तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत हों), सेवा सहकारी समितियां, बेरोजगार सेवा सहकारी समितियां, गैर-सरकारी संस्थाएं (इन सभी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराना होना चाहिए) आदि से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर पात्रता सूची तैयार की जाएगी तथा चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

आवेदन पत्र जी/दक्षिण वार्ड स्थित सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से दिनांक 24/03/2026 से 28/03/2026 तक, समय प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक संस्थाएं अधिक जानकारी, आवेदन पत्र तथा शपथ पत्र प्रपत्र के लिए जी/दक्षिण वार्ड स्थित सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से संपर्क करें।

संस्था द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि 28/03/2016, समय शाम 5:00 बजे तक है।

निर्धारित कार्यालय समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पीआरओ/3374/विज्ञा./2025-26

स्वास्थ्य अधिकारी
(जी/एस वार्ड)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्रमांकः एचओ/610/आरएमएच/दिनांक 23/03/2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु विज्ञापन

विषयः सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आर/नॉर्थ वार्ड स्थित रावलपाड़ा मातृत्व गृह में 'डी' श्रेणी के बहुउद्देश्यीय कर्मचारियों के रिक्त पदों को संविदा आधार पर भरने के संबंध में।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आर/नॉर्थ वार्ड स्थित रावलपाड़ा मातृत्व गृह में 'डी' श्रेणी के रिक्त पदों को संविदा आधार पर भरने हेतु, केवल वही संस्थाएं/कंपनियां आवेदन करें जिनके पास बृहन्मुंबई महानगरपालिका के मातृत्व गृहों में संविदा आधार पर बहुउद्देश्यीय कर्मचारियों की उपलब्धता कराने का कम से कम 1 वर्ष का अनुभव हो।

रुचि रखने वाली धर्मार्थ संस्थाएं/स्वामित्व फर्म/साझेदारी फर्म/प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां, जो भविष्य निधि तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत हों (इन संस्थाओं/कंपनियों की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराना होना चाहिए), उनसे आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर पात्रता सूची तैयार की जाएगी तथा चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

आवेदन पत्र आर/नॉर्थ वार्ड स्थित रावलपाड़ा मातृत्व गृह कार्यालय से दिनांक 24/03/2026 से 30/03/2026 तक, समय प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।
इच्छुक संस्थाएं/कंपनियां अधिक जानकारी, आवेदन पत्र तथा शपथ पत्र प्रपत्र के लिए आर/नॉर्थ वार्ड स्थित रावलपाड़ा मातृत्व गृह कार्यालय से संपर्क करें। संस्था/कंपनी द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि 30/08/2026, समय रात्रि 8:00 बजे तक है।

निर्धारित कार्यालय समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पीआरओ/3373/विज्ञा./2025-26

चिकित्सा अधिकारी
(रावलपाड़ा मातृत्व गृह)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

एलपीजी टैंकर जहाज 'जग वसंत' और 'पाइन गैस' को ईरान की हरी झंडी! होर्मुज जलडमरूमध्य किया पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिमी एशिया में बढ़ती अस्थिरता के बीच, भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी वाहक जहाज, जग वसंत और पाइन गैस, अत्यंत संवेदनशील होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों जहाज फारस की खाड़ी से भारत की ओर आ रहे हैं और वर्तमान में लारक केशम चैनल की ओर बढ़ रहे हैं। जलडमरूमध्य पार करने के बाद, ये जहाज अपने एलपीजी माल के साथ भारतीय बंदरगाहों की ओर प्रस्थान करेंगे। गौरतलब है कि 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में समुद्री आवागमन बुरी तरह से बाधित हो गया था, जिससे ईरान और ओमान के बीच सैकड़ों जहाज फंसे रह गए थे। भारत के राजनयिक प्रयासों के बाद, दो भारतीय जहाज, शिवालिक और नंदा देवी, पिछले सप्ताह सुरक्षित रूप से मार्ग पार करके गुजरात पहुंचने में सफल रहे।

इससे पहले 20 मार्च को, सरकार ने कहा कि भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा की रक्षा करने और खाड़ी में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ सहयोग तेज कर दिया है। व्यापार और रसद पर दबाव के बीच, केंद्र ने मौजूदा संकट से प्रभावित निर्यातकों को समर्थन देने के लिए 497 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'यह न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय के लिए एक कठिन समय रहा है। हमारे नेता अपने समकक्षों के संपर्क में हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ नेता कुवैत जैसे देशों के साथ सक्रिय रूप से संवाद कर रहे हैं।

20 से अधिक देशों ने एक संयुक्त बयान जारी कर होर्मुज जलडमरूमध्य को 'वास्तविक रूप से बंद' करने की कड़ी आलोचना की है। संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और कई यूरोपीय देशों सहित इन राष्ट्रों ने वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान के हमलों और तेल एवं गैस अवसंरचना पर हमलों की निंदा की है। बयान में कहा गया है, 'हम खाड़ी में निहत्थे वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान द्वारा हाल ही में किए गए हमलों, तेल एवं गैस प्रतिष्ठानों सहित नागरिक अवसंरचना पर हमलों और ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को वास्तविक रूप से बंद करने की कड़ी निंदा करते हैं।

पण्डोखर धाम में 30वां सनातन संस्कृति महोत्सव 2 से 22 अप्रैल तक, भव्य तैयारियां शुरू

रायपुर। मध्यप्रदेश स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पण्डोखर धाम में आगामी 2 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक 30वां सनातन संस्कृति महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन पिछले तीन दशकों से निरंतर श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

महोत्सव के दौरान नव कुंडीय श्रीराम महायज्ञ का आयोजन प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, दंगल प्रतियोगिताएं एवं विशाल मेले का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

इस भव्य आयोजन का संचालन श्री पण्डोखर सरकार गुरु शरण शर्मा महाराज जी की संस्था जन्म शक्तिपुंज बरह मानव कल्याण संस्थान चैरिटेबल ट्रस्ट, पण्डोखर धाम द्वारा किया जा रहा है।

महोत्सव के आमंत्रण के सिलसिले में पण्डोखर धाम के आचार्य उमा शंकर शास्त्री जी इन दिनों रायपुर (छत्तीसगढ़) प्रवास पर हैं। उनके साथ स्थानीय शिष्य मंडल के सदस्य राजीव अवस्थी, टेक राम साहू एवं राकेश अग्रवाल भी सक्रिय रूप से आमंत्रण अभियान में जुटे हैं।

इसी क्रम में आचार्य उमा शंकर शास्त्री जी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से उनके निवास पर भेंट कर उन्हें महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण दिया। डॉ. रमन सिंह ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में आने का आश्वासन दिया है।

महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और आयोजक समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

पश्चिम एशिया संकट : बीजद सांसद सस्मित पात्रा की चेतावनी, लंबा संघर्ष संकट को जन्म देगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने सोमवार को अमेरिका, इज़राइल और ईरान से पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष को लेकर बातचीत की मेज़ पर लौटने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष ऊर्जा संकट को और भी बदतर बना सकता है, वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को अस्थिर कर सकता है और भू-राजनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है। उन्होंने आगे रक्तपात और वैश्विक ध्रुवीकरण को रोकने के लिए संवाद, सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। एएनआई से बात करते हुए पात्रा ने कहा, 'पश्चिम एशिया में यह संघर्ष दिन-प्रतिदिन और अधिक विकट होता जा रहा है... मैं अब भी इस संघर्ष में मुख्य रूप से शामिल तीनों देशों,

अमेरिका, इज़राइल और ईरान से आग्रह करूंगा कि वे बातचीत का मध्य मार्ग खोजें और बातचीत की मेज़ पर लौटें तथा यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि यह संघर्ष और अधिक रक्तपात न करे। उन्होंने आगे कहा कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो ऊर्जा संकट के संदर्भ में इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे कोविड-19 के बाद अर्थव्यवस्थाओं द्वारा निर्मित मूल्य नष्ट हो जाएगा। भू-राजनीति के संदर्भ में इसका बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और यह विश्व को ध्रुवीकृत कर देगा। जब तक समय है, हमें पीछे हटकर संघर्ष के बजाय सहयोग, समन्वय और चर्चा के रास्ते तलाशने चाहिए। संसद के चल रहे बजट सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दोपहर 2 बजे लोकसभा को संबोधित करेंगे।

भारत-रूस की दोस्ती का नया अध्याय, व्यापार लक्ष्य अब 100 अरब अमरीकी डॉलर, जयशंकर ने बताया प्लान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली और मॉस्को के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देश 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने ये बातें 'भारत और रूसः एक नए द्विपक्षीय एजेंडा की ओर' सम्मेलन को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहीं। विदेश मंत्री ने इस पहल के लगातार दूसरे संस्करण के लिए रूसी अंतर्राष्ट्रीय मामलों की परिषद और मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के प्रयासों की प्रशंसा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष वर्तमान वार्षिक व्यापार को 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक संतुलित और सतत तरीके से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' इस संबंध में उन्होंने कहा कि गैर-टैरिफ बाधाओं और नियामक अड़चनों को दूर करने के प्रयास जारी हैं।

संबंधों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने

कहा कि वर्तमान वैश्विक राजनीति में, भारत-रूस के सहयोग ने वर्षों से क्षेत्रीय और वैश्विक शांति को बढ़ावा दिया है। जयशंकर ने आगे कहा कि भारत और रूस के बीच विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दशकों से, हमारे पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग ने क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति को आगे बढ़ाया है। आज की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में, उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के कारण हमारा सहयोग और भी गहरा होता जा रहा है। दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा ने कुशल पेशेवरों की आवाजाही, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा, समुद्री सहयोग, उर्वरक, सीमा शुल्क और वाणिज्य, शैक्षणिक और मीडिया सहयोग सहित विविध और नवीन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नए आयाम स्थापित किए।

भारत के नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में रूस की साझेदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'रूस नागरिक परमाणु ऊर्जा में हमारा अग्रणी भागीदार है और कुडनकुलम परमाणु परियोजना इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत का लक्ष्य 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाना है, और मुझे विश्वास है कि परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए रूस में उसे एक विश्वसनीय भागीदार मिलेगा।

जयशंकर ने कला, योग, आयुर्वेद और संस्कृति के प्रति साझा सम्मान पर आधारित गहरे जन-संबंधों को भी याद किया और विश्वास व्यक्त किया कि कज़ान और येकातेरिनबर्ग में नए वाणिज्य दूतावास आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेंगे।

इधर से यूएसएस बॉक्सर युद्धपोत की एंट्री, उधर से अरब सागर में यूके ने उतारी परमाणु पनडुब्बी, घिर गया ईरान

तेहरान **(एजेंसी)**। मध्य पूर्व में युद्ध की आहट अब खुले टकराव में बदलती दिख रही है और इस बार समुद्र ही असली रणभूमि बन चुका है। अमेरिका और ब्रिटेन ने जिस तरह अपनी सैन्य ताकत को इस क्षेत्र में झोंक दिया है, उसने साफ कर दिया है कि आने वाले दिन बेहद विस्फोटक हो सकते हैं। हम आपको बता दें कि ताजा घटनाक्रम में अमेरिका ने अपने बेहद खतरनाक युद्धपोत यूएसएस बॉक्सर की अगुवाई में एक शक्तिशाली नौसैनिक समूह को रवाना कर दिया है, जबकि ब्रिटेन ने परमाणु शक्ति से लैस पनडुब्बी एचएमएस एनसन को अरब सागर में उतारकर हालात को और ज्यादा भयावह बना दिया है।

हम आपको बता दें कि यूएसएस बॉक्सर कोई साधारण जहाज नहीं है, बल्कि यह एक चलता फिरता सैन्य अड्डा है जो दुश्मन के गढ़ में घुसकर तबाही मचाने की क्षमता रखता है। इसे छोटे विमानवाहक पोत जैसा माना जाता है, क्योंकि यह अत्याधुनिक स्टील्थ लड़ाकू विमानों, हमला करने वाले हेलीकाप्टरों और ओस्प्रे विमानों को संचालित कर सकता है। इसका मतलब साफ है कि यह जहाज हवा और जमीन दोनों मोर्चों पर एक साथ हमला करने में सक्षम है। यही नहीं,

यह सीधे दुश्मन के तट पर सैनिकों को उतारकर हमला करने की ताकत भी रखता है, जो इसे युद्ध के मैदान में सबसे घातक हथियारों में शामिल करता है।

यूएसएस बॉक्सर अकेला नहीं है। इसके साथ यूएसएस पोर्टलैंड और यूएसएस कॉमस्टॉक जैसे जहाज भी हैं, जो मिलकर एक विशाल आधुनिक युद्ध समूह बनाते हैं। इस पूरे समूह में करीब चार हजार सैनिक और नाविक शामिल हैं, जिनमें ग्यारहवीं मरीन टुकड़ी के प्रशिक्षित जवान भी हैं। ये सभी हाल ही में कैलिफोर्निया के तट पर बड़े सैन्य अभ्यास कर चुके हैं और अब सीधे संघर्ष क्षेत्र की ओर बढ़ रहे हैं। यह तैनाती इतनी तेजी से की गई कि सैनिकों को अपनी छुट्टियां तक बीच में छोड़नी पड़ीं, जो इस बात का संकेत है कि हालात कितने गंभीर हो चुके हैं।

रणनीतिक रूप से देखें तो यह कदम सिर्फ सैन्य प्रदर्शन नहीं, बल्कि सीधा दबाव बनाने की चाल है। अमेरिका पहले ही विमानवाहक पोत और अन्य युद्धपोत इस क्षेत्र में भेज चुका है। अब भीषण हमले की क्षमता वाले जहाजों की तैनाती यह संकेत देती है कि वह सिर्फ हवाई हमलों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि जरूरत पड़ने पर जमीन पर भी सीधा हमला कर सकता है। खासकर ईरान के नियंत्रण वाले द्वीप और तेल से जुड़े ठिकाने संभावित निशाने बन सकते हैं। दूसरी ओर ब्रिटेन ने भी अपने इरादे साफ कर दिए हैं। परमाणु शक्ति से चलने वाली पनडुब्बी एचएमएस एनसन अरब सागर के गहरे पानी में पहुंच चुकी है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक मिसाइलों और भारी टारपीडो से लैस है, जो दूर से ही किसी भी लक्ष्य को तबाह कर सकती है। अगर ब्रिटिश प्रधानमंत्री की अनुमति मिलती है, तो यह पनडुब्बी अचानक सतह के करीब आकर मिसाइल दाग सकती है, जिससे दुश्मन को संभलने का मौका तक नहीं मिलेगा।

ट्रंप आपको फायर किया जाता है, आईआरजीसी प्रवक्ता ने की अमेरिकी प्रेसिडेंट की मिमिक्री

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान के एक अधिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य की समय सीमा नजदीक आने पर ट्रंप का मजाक उड़ाया। ईरान के खातम अल अनबिया मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने बढ़ते तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला करते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया है। ज़ोल्फ़ागरी ने ट्रंप का मजाक उड़ाते हुए कहा कि हे ट्रंप, यू आर फायर्ड! उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य पर समय सीमा नजदीक आने के मद्देनजर इस मुहावरे का अंग्रेजी में इस्तेमाल किया।

तेहरान में ताजा विस्फोटों और हवाई हमले की सूचना मिली है, शहर के मध्य, पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में जोरदार धमाके सुने गए। अमेरिका और इज़राइल द्वारा जारी हवाई हमलों के चलते कई अन्य क्षेत्रों से भी इसी तरह की खबरें आई हैं। बंदर अब्बास में एक रेडियो स्टेशन पर हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। खोरमाबाद और उर्मिया के रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप आम नागरिकों की जान गई। इस्फ़हान, कराज और अहवाज़ में भी विस्फोटों की सूचना मिली है, जहां एक अस्पताल के प्रभावित होने की खबर है। इसका समग्र प्रभाव गंभीर रहा है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अस्पतालों, स्कूलों और राहत केंद्रों सहित 80, 000 से अधिक नागरिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मृतकों की संख्या पहले ही 1, 500 का आंकड़ा पार कर चुकी है और हमलों के जारी रहने के कारण इसके बढ़ने की आशंका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा को बताया कि भारत के पास वर्तमान में 53 लाख मीट्रिक टन का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है और वह 41 देशों से ऊर्जा प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के दौरान निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आयात चैनलों में विविधता लाई है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल शिपमेंट में संभावित व्यवधानों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उन्होंने ये बयान दिया है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख ब्रैड कूपर ने कहा है कि ईरान की सैन्य शक्ति कमजोर होने के कारण वह नागरिक ठिकानों पर हमले बढ़ा रहा है। ब्रिटेन स्थित एक चैनल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ये कार्रवाइयां उसकी 'हताशा' को दर्शाती हैं और दावा किया कि ईरान ने हाल के हफ्तों में जानबूझकर 300 से अधिक बार नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने हमलों के पैमाने में आई कमी का भी जिक्र किया और कहा कि पहले हमलों में दर्जनों ड्रोन और मिसाइलें शामिल होती थीं, लेकिन अब ये हमले एक या दो तक ही सीमित हैं।

अमीरात पर मिसाइल हमला, रिहाईशी ईलाके में मलबा गिरने से भारतीय घायल

अबूधाबी। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के बीच अबूधाबी से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां के अल शवामेख इलाके में एक मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय नागरिक घायल हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि चोट मामूली बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात की हवाई रक्षा प्रणाली ने एक बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही सफलतापूर्वक मार गिराया। लेकिन मिसाइल को नष्ट करने के बाद उसका मलबा नीचे गिरा और वह रिहायशी क्षेत्र अल शवामेख में जा गिरा, जिससे यह हादसा हुआ।

मलबा गिरने के दौरान वहां मौजूद एक भारतीय नागरिक इसकी चपेट में आ गया, जिससे उसे हल्की चोटें आईं। घायल व्यक्ति की स्थिति स्थिर और सुरक्षित बताई गई है। मौके पर तुरंत आपातकालीन टीमों को भेजा गया प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति नियंत्रण में है। यह घटना दिखाती है कि यूएई की एयर डिफेंस प्रणाली सतर्क है और खतरे को हवा में ही खत्म करने में सक्षम है। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि: मिसाइल को हवा में नष्ट करने के बाद भी मलबा गिरना एक जोखिम बना रहता है

अबूधाबी मीडिया कार्यालय ने स्पष्ट रूप से कहा है लोग केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी लें। सोशल मीडिया पर अफवाहें या अपुष्ट खबरें न फैलाएं। यह अपील इसलिए की गई है ताकि डर और भ्रम की स्थिति न बने। यह घटना बताती है कि ईरान और अमेरिका-इज़राइल के बीच जारी संघर्ष का असर अब खाड़ी देशों तक पहुंच चुका है। मिसाइल और ड्रोन हमले अब केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं, आसपास के देशों में भी खतरा बढ़ रहा है। नागरिक सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनती जा रही है। अबूधाबी की यह घटना दिखाती है कि आधुनिक रक्षा प्रणाली हमले को रोक तो सकती है, लेकिन पूरी तरह जोखिम खत्म नहीं कर सकती।

डोनाल्ड ट्रंप के अल्टीमेटम पर भड़का ईरान कहा- अमेरिका से बातचीत का चैप्टर क्लोज

तेहरान **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिए जाने के बाद, ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ वार्ता समाप्त हो गई है, और इस स्थिति को 'कड़वा अनुभव' और 'विश्वासघात' बताया। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष ने अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक संबंधों को समाप्त कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री ने एक्स पर एक संक्षिप्त वीडियो संदेश में ये टिप्पणियां कीं। दोनों पक्षों के बीच भरोसे के 'बिल्कुल न के बराबर' होने की बात कहते हुए, अराघची ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष ने कूटनीति के दरवाजे हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं। अराघची ने कहा कि अमेरिकियों के साथ बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गई है। हमले न करने के वादे के बाद एक कड़वा अनुभव और विश्वासघात। अमेरिकियों के साथ बातचीत की अब कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने हमले न करने के वादे से हमें धोखा दिया, और बातचीत में उल्लेखनीय प्रगति हासिल करने के बावजूद, उन्होंने हम पर हमला करने का फैसला किया।

हालांकि अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके जल्द समाप्त होने की संभावना नहीं है। तीनों पक्ष एक-दूसरे के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और क्षेत्रीय ठिकानों को निशाना बनाना जारी रखे हुए हैं और हमलों को तेज करने की चेतावनी दे रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर स्थिति विशेष रूप से गंभीर है, रविवार को ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि उसे 48 घंटों के भीतर इस महत्वपूर्ण पारगमन बिंदु को फिर से खोलना होगा। ईरान का कहना है कि जलडमरूमध्य केवल उसके दुश्मनों के लिए बंद है और वह समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने को तैयार है। लेकिन ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया गया।

जान्हवी कपूर ने छोड़ा धर्म का साथ, करण जौहर बोले- 'एजेंसी छोड़ने वालों के साथ भी काम करूंगा'

बॉलीवुड एक्ट्रेनस जान्हवी कपूर ने करण जौहर की कई फिल्मों में अभिनय किया है। कुछ समय पहले जान्हवी कपूर ने करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से खुद को अलग कर लिया था। अब एक्सट्रेस अलग रास्ते पर चल रही हैं, इसी कारण से हाल ही में वह कारण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। एक्ट्रेस के इस फैसले पर करण जौहर ने क्या कहा? आपको बताते हैं।

हाल ही में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में करण जौहर ने कहा कि इंडस्ट्री में कई ऐसे टैलेंट होते हैं जो कुछ समय के लिए उनके साथ जुड़ते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं। उन्होंने इसे तीन बड़ी एजेंसियों के बीच चलने वाले 'पासिंग द पार्सल' जैसे खेल से तुलना की। साथ ही, करण जौहर ने यह भी दावा किया कि उनकी टैलेंट एजेंसी कारोबार के मामले में सबसे आगे है।

करण जौहर ने बातचीत के दौरान बताया है कि किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)